संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-153 ■ रायपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : षष्ठी
नक्षत्र : आर्द्रा
प्रथम करण : वणिजा
द्वितीय करण : विष्टि
पक्ष : कृष्ण
वार : शनिवार
योग : सिद्ध
सूर्योदय : 06:36
सूर्यास्त : 17:32
चंद्रमा : मिथुन राशि में
राहुकाल : 09:20 - 10:42
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:26

खुली नाली में गिरकर युवक की मौत

तखतपुर। बिलासपुर के तखतपुर में बिती रात एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जहां एक युवक नशे की हालत में नाली में गिर गया। घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। ऐसे में अब सड़क किनारे खुली नालियों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। यह घटना तखतपुर नगर के होलिका चौक में हुई है। मृतक की पहचान संतोष देवांगन उर्फ शारूख, पिता समारू देवांगन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि 29 अक्टूबर की रात शारूख नशे की हालत में होलिका चौक के आसपास घूम रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह सड़क किनारे करीब तीन फीट के नाली में जा गिरा। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने युवक को नाली से बाहर निकाला और बिना देर किए 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। होलिका चौक में हुए इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क किनारे खुली नालियों और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्रेन गिरने से 2 लोगों की मौत, दो मजदूर घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक अंडर कंस्ट्रक्शन साइट पर क्रेन दुर्घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 10:30 बजे हुआ, जब एक क्रेन को खोला (डिसमेंटल किया) जा रहा था। उस समय साइट पर एक क्रेन ऑपरेटर और तीन मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राहुल मदने ने बताया कि घायल हुए दो मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने 'आकस्मिक मृत्यु' (AD) का मामला दर्ज कर लिया है और इस बात की जांच कर रही है कि यह हादसा किसी तकनीकी खराबी की वजह से हुआ या मानवीय भूल के कारण। वे यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या घटनास्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था।

दरअसल, नागपुर के गणेशपेठ इलाके में MHADA की एक अंडर-कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग में काम चल रहा था, तभी क्रेन गिरने से दो मज़दूरों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। इस हादसे में क्रेन ऑपरेटर और एक मजदूर की मौत हो गई और दो घायल मजदूरों का एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी, देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों को 18,690 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित

किसानों की आर्थिक मजबूती और खेती को लाभकारी बनाना हमारी सरकार का दृढ़ संकल्प : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी





प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनके हित में अनेक दूरगामी निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना इसका सशक्त उदाहरण है। इस योजना के माध्यम से किसानों को मिलने वाली आर्थिक सहायता उनकी खेती संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के बनासकांठा में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के रूप में देश के 9 करोड़ 34 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18 हजार 690 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से अंतरित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण योजना है। विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को इस योजना से आर्थिक संबल मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के 24.59 लाख से अधिक किसानों को मिले 498.48 करोड़ रुपए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 24 लाख 59 हजार 707 किसानों के बैंक खातों में 498 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई है। इससे प्रदेश के लाखों किसान परिवारों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के किसानों को अब तक 24 किस्तों में 11 हजार 776 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है। यह राशि किसानों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई है, जिससे सहायता वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम बनी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों को बीज, खाद, उर्वरक और खेती से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं के लिए समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर प्रारंभ की गई है। इस योजना से विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को अपनी कृषि गतिविधियों के संचालन में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अन्नदाताओं की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को समझकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दूरदर्शी पहल की है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के समस्त किसान परिवारों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की समृद्धि से ही गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कृषि क्षेत्र में बढ़ती आय, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक तकनीक का विस्तार विकसित छत्तीसगढ़ तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

चक्रवात 'अर्नब' के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान को सरकार ने गंभीरता से लिया है। प्रभावित किसानों को समय पर राहत उपलब्ध कराने के लिए सभी जिला कलेक्टरों को फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण के आधार पर प्रभावित किसानों को आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार आवश्यक सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन को प्राथमिकता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित किसान के साथ मजबूती से खड़ी है। किसानों की मेहनत और उनके हितों की रक्षा के लिए राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, किसानों के लिए खुलेंगे 360 नए उपार्जन केंद्र

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रदेश में किसानों से 3 हजार 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। यह दर देश में धान खरीदी के लिए दी जाने वाली सर्वाधिक दरों में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ की जाएगी। किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अधिक दूरी तय न करनी पड़े तथा उपार्जन केंद्रों में उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा 360 नए धान खरीदी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नए उपार्जन केंद्रों के खुलने से किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा होगी। धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसी भी अन्नदाता को धान बेचने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

मादक पदार्थ के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में गांजा तस्करी पर शिकंजा कसा गया है। नगरनार पुलिस ने ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश के मथुरा जा रहे पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 8 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 4 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से गांजा लेकर दो लोग उत्तर प्रदेश के मथुरा की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर नगरनार पुलिस ने धनपुंजी आरटीओ नाका के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर घेराबंदी की। इस दौरान संदिग्ध पति-पत्नी को रोककर उनकी तलाशी ली गई। तलाशी में उनके बैग से गांजे के चार पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 किलो 500 ग्राम गांजे के अलावा नगदी और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। बरामद गांजे की कुल कीमत करीब 4 लाख 25 हजार रुपये बताई गई है।

चक्रवात 'अर्नब' से प्रभावित किसानों को शीघ्र मिलेगी राहत, मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश'

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने चक्रवात 'अर्नब' के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रभावित किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें समय पर राहत मिल सके, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे।

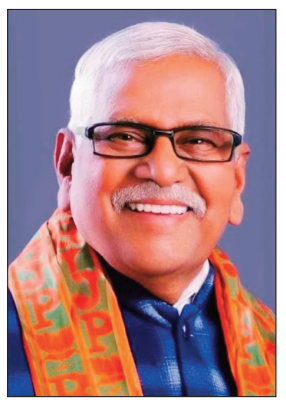
मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार पात्र किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण से लेकर सहायता राशि के वितरण तक की पूरी प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिल सके।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को मिलेंगे 6 नए जज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 30 अक्टूबर को हुई बैठक में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में 6 लोगों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इनमें 4 अधिवक्ता और 2 न्यायिक अधिकारी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, अधिवक्ता वर्ग से आनंद शुक्ला, रत्न निधि पुष्टि उर्फ आरएन पुष्टि उर्फ रतन पुष्टि, शशांक ठाकुर और सौरभ शर्मा के नामों को मंजूरी दी गई है। वहीं, न्यायिक अधिकारियों की श्रेणी से रजनीश श्रीवास्तव और बलराम प्रसाद वर्मा को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर सहमति जताई गई है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की इस मंजूरी के बाद अब छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में इन छह नामों की नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इससे हाईकोर्ट में न्यायिक व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भाजपा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का निधन, हैदराबाद में चल रहा था इलाज

रायपुर ■ दैनन्दिनी



रायपुर। दुर्ग के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का 78 साल की उम्र में आज निधन हो गया। जानकारी के मुताबिक, वे लंबे समय से फेफड़े की बीमारी से पीड़ित थे। उनका इलाज हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में चल रहा था, जहां उन्होंने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। उनके निधन पर भाजपा नेताओं और क्षेत्रवासियों ने शोक जताया है।

निधन की सूचना मिलने के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक ललित चन्द्राकर, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना समेत अन्य नेता अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे।

छत्तीसगढ़ की राजनीति में अहिवारा विधानसभा क्षेत्र से अपनी पहचान बनाने वाले भाजपा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का राजनीतिक सफर कई महत्वपूर्ण पड़ावों से होकर गुजरा है। वे दो बार अहिवारा विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए। पहली बार वर्ष 2008 में उन्होंने भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना।

जोशीमठ में हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 की मौत

चमोली ■ एजेंसी



उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ धाम से फाटा जा रहा एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. चमोली पुलिस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार पायलट समेत सभी 6 लोगों की मौत हो गई है. यह हादसा जोशीमठ के पास हाथी पहाड़ के पीछे चायी गांव के इलाके में हुआ. हेलिकॉप्टर ट्रांस भारत कंपनी का बताया जा रहा है. हेलिकॉप्टर की लोकेशन अचानक गायब होने के बाद उसकी तलाश शुरू की गई थी. स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी थीं.

तलाशी अभियान में दो अन्य हेलिकॉप्टर भी लगाए गए थे, लेकिन खराब मौसम के चलते दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर की सही लोकेशन का पता लगाने में मुश्किल आ रही थी. अब चमोली पुलिस ने हेलिकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों की मौत की पुष्टि की है.

बारिश और घने बादलों से रेस्क्यू में मुश्किल

हादसे की सूचना वाले इलाके में लगातार बारिश हो रही है और घने बादल छाए हुए हैं. इससे दृश्यता काफी कम है. ऐसे में रेस्क्यू टीमों को हेलिकॉप्टर की लोकेशन तलाशने में परेशानी हो रही है. फिलहाल टीमें बदरीनाथ और जोशीमठ के बीच के इलाके में खोज अभियान चला रही हैं.

हेलिकॉप्टर में कितने लोग सवार थे और उनकी स्थिति क्या है, इसे लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है. प्रशासन की टीमें मलबे का पता लगाने और रेस्क्यू ऑपरेशन को आगे बढ़ाने में जुटी हैं.

बारिश ने रोका कांग्रेस का 'सार्वजनिक महाभियोग'

आज फिर होगा आयोजन

नई दिल्ली ■ एजेंसी



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 'सार्वजनिक महाभियोग' का कार्यक्रम ख़राब मौसम को देखते हुए टाल दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि अब यह 'सार्वजनिक महाभियोग' 31 अक्तूबर को होने की संभावना है। यह तारीख विपक्षी गठबंधन की रामलीला मैदान में होने वाली रैली से एक दिन पहले की है, जो मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के खिलाफ आयोजित की जा रही है। बता दें कि विपक्षी गठबंधन को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और तालकटोरा स्टेडियम जैसी अन्य जगहें नहीं मिल पाईं, जिसके बाद इस जगह (खरगे के आवास) को चुना गया था। गुरुवार को हुई इस तैयारी बैठक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और के.सी. वेणुगोपाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मीरा कुमार, टीएमसी के डेरेक ओ'ब्रायन, समाजवादी पार्टी के हरेंद्र मलिक, जेएमएम की महुआ माजी और सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास समेत कई अन्य नेता शामिल हुए थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बारिश के कारण आज होने वाला मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। अब यह कार्यक्रम शनिवार को इसी समय आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष की रैली और मार्च होगा, जिसमें राजनीतिक दलों के अलावा आम नागरिक, कारोबारी, नौकरीपेशा लोग, छात्र, पत्रकार और सिविल सोसायटी से जुड़े लोग भी शामिल हो सकते हैं।

नरेंद्र मोदी 3 बार पीएम बने और चौथी बार भी बनेंगे : अमित शाह

लखनऊ ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि नरेंद्र मोदी लगातार तीन बार देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और वे चौथी बार भी देश की कमान संभालेंगे। वे लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आज देश की राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक हर ओर केवल भगवा ही दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि यदि वे अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहते हैं, तो उन्हें ज़मीनी स्तर पर उतरकर जनता के बीच काम करना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लखनऊ में यूपी भाजपा की कार्यकारी समिति की बैठक का उद्घाटन करने पहुंचे। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, शाह ने उन्हें भाजपा का मालिक बताया और सम्मानपूर्वक "राम-राम" कहकर उनका अभिवादन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पार्टी की चुनावी जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया और 2017 तथा 2022 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को याद किया।

रणबीर कपूर की 'रामायण' को सेंसर बोर्ड की हरी झंडी फिल्म देखने के लिए निकालना होगा 195 मिनट का वक्त



मुंबई (एजेंसी)। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' की रिलीज का इंतजार अब खत्म होने वाला है। निर्देशक नितेश तिवारी की यह पौराणिक फिल्म 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। दिवाली से ठीक पहले रिलीज हो रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही जबरदस्त उत्साह है। अब फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। 'रामायण' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने सर्टिफिकेट दे दिया है। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक फिल्म की सेंसर प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हुई।

CBFC की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 'रामायण' को U सर्टिफिकेट दिया गया है। इसका मतलब है कि फिल्म को सभी आयु वर्ग के दर्शक देख सकेंगे। फिल्म की अवधि 195 मिनट दर्ज की गई है, यानी दर्शकों को करीब 3 घंटे 15 मिनट तक रामकथा बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। हालांकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म में किसी तरह के विजुअल कट या बदलाव किए हैं या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बोर्ड की वेबसाइट पर फिल्म का आधिकारिक सिनॉप्सिस भी साझा किया गया है। इसके मुताबिक कहानी रावण के तीनों लोकों पर विजय हासिल करने से शुरू होती है।

राक्षस सम्राट रावण को केवल मनुष्य ही पराजित कर सकता है। ऐसे में भगवान विष्णु मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रूप में धरती पर अवतार लेते हैं। पिता के वचन का पालन करते हुए राम, सीता और लक्ष्मण के साथ वनवास के लिए निकलते हैं। इसी दौरान रावण सीता का हरण कर लेता है, जिसके बाद अधर्म के खिलाफ सबसे बड़े युद्ध की शुरुआत होती है।

IMAX 3D में रिलीज होगी फिल्म, 'गॉडजिला माइनस जीरो' की रिलीज पर असर

'रामायण' को भारतीय सिनेमाघरों में IMAX 3D फॉर्मेट में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म की इस बड़ी रिलीज का असर दूसरी फिल्मों की स्क्रीन उपलब्धता पर भी पड़ता नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'गॉडजिला माइनस जीरो' की भारत में रिलीज की तारीख आगे बढ़ाकर 20 नवंबर कर दी गई है। बताया जा रहा है कि देश में IMAX स्क्रीन की संख्या सीमित है और सिनेमाघर फिलहाल 'रामायण' को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी वजह से 'गॉडजिला माइनस जीरो' को आगे खिसकाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, इस बदलाव को लेकर फिल्म की भारतीय मार्केटिंग टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बीते दिन रिलीज हुआ फिल्म का गाना 'जुड़ी जोड़ी' भी काफी चर्चा में है।

छह भाषाओं और कई फॉर्मेट में आएगी 'रामायण'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल और लारा दत्ता समेत कई कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'रामायण' को 2D, 3D, IMAX 3D, 4DX 3D और 3D ScreenX जैसे फॉर्मेट में रिलीज किया जाएगा।

नौवें महीने में सामंथा का वर्कआउट वीडियो वायरल



मुंबई (एजेंसी)। साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी जिंदगी के एक खास दौर को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने अपनी प्रेग्नेंसी के नौवें महीने में पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सामंथा अपनी प्रेग्नेंसी के शुरुआती दिनों से लेकर आखिरी महीने तक की फिटनेस जर्नी की झलक दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में उनका वर्कआउट रूटीन देखकर फैंस भी हैरान हैं। अभिनेत्री ने इसके साथ एक छोटा लेकिन खास कैप्शन लिखा है, जिसने उनके पोस्ट को और चर्चा में ला दिया।

सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह प्रेग्नेंसी के अलग-अलग चरणों में एक्सरसाइज करती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री पहले महीने से लेकर नौवें महीने तक की अपनी फिटनेस जर्नी दिखाती हैं। खास बात यह है कि वीडियो में उनके वर्कआउट के तरीके और शरीर में आए बदलावों को एक साथ देखा जा सकता है। क्लिप में सामंथा डंबल को सीने के पास पकड़कर वेटेड स्क्वैट्स करती नजर आती हैं। वीडियो के जरिए उन्होंने दिखाया कि शुरुआती महीने से लेकर प्रेग्नेंसी के अंतिम पड़ाव तक उनकी फिटनेस दिनचर्या किस तरह आगे बढ़ी। इस पोस्ट के साथ अभिनेत्री ने लिखा, '#9. अंतिम पड़ाव.' यानी नौवां महीना उनकी इस यात्रा का आखिरी पड़ाव है। सामंथा की इस पोस्ट पर फैंस लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और उनके इस सफर के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

प्रेग्नेंसी में बदला फिटनेस का तरीका

सामंथा इससे पहले भी अपनी प्रीनेटल फिटनेस और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की झलक सोशल मीडिया पर साझा कर चुकी हैं। एक पुराने पोस्ट में उन्होंने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान उनके एक्सरसाइज करने का तरीका पहले जैसा नहीं रहा। अब उनका ध्यान पहले से ज्यादा शरीर की जरूरतों और उसकी क्षमता को समझने पर है। अभिनेत्री ने लिखा था, 'इन दिनों ट्रेनिंग का तरीका थोड़ा अलग है। अब ज्यादा मेहनत करने से ज्यादा जरूरी है कि शरीर की बात सुनी जाए।' सामंथा के इस संदेश से साफ है कि वह इस खास दौर में अपनी फिटनेस को लेकर सतर्क और सजग नजर आ रही हैं। हालांकि, प्रेग्नेंसी के दौरान किसी भी तरह की एक्सरसाइज हर महिला की व्यक्तिगत स्थिति और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही की जानी चाहिए।

घुंघरुओं की खनक, लावणी की थाप, आंखों में आग और चेहरे पर संघर्ष की कहानी, 'ईठा' के ट्रेलर में छा गईं श्रद्धा कपूर

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार उनका अंदाज पहले से बिल्कुल अलग होने वाला है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' में दर्शकों को डराने और हंसाने वाली श्रद्धा अब महाराष्ट्र की लोककला और संस्कृति के रंग में रंगी नजर आएंगी।

उनकी आने वाली फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर 30 अक्टूबर को रिलीज कर दिया गया है। इससे पहले टीजर रिलीज किया गया था जिसे भी लोगों ने काफी पसंद किया था। यह फिल्म महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित बायोपिक है। ट्रेलर में श्रद्धा का बिल्कुल नया अवतार देखने को मिल रहा है। रंगीन मंच, पारंपरिक नृत्य, संगीत और संघर्ष से भरी एक कलाकार की जिंदगी की झलक फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाती है। फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'ईठा' के ट्रेलर में श्रद्धा कपूर को विठाबाई के किरदार में पेश किया गया है। उनका यह लुक और अंदाज उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग है। जहां 'स्त्री' में वह हॉरर और कॉमेडी के बीच नजर आई थीं, वहीं इस फिल्म में उन्हें एक भावुक, ऊर्जावान और कला के प्रति समर्पित महिला का किरदार निभाते देखा जा सकता है। ट्रेलर में श्रद्धा का लावणी डांस, पारंपरिक परिधान और मंच पर उनकी अदाएं खास आकर्षण हैं। वह अपने किरदार के जरिए महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति को पर्दे पर उतारने की कोशिश करती दिखाई देती हैं। कहानी में विठाबाई के शुरुआती संघर्ष से लेकर लोकनाट्य की दुनिया में उनकी पहचान बनाने तक का सफर दिखाया जाएगा। एक महिला कलाकार के रूप में उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसकी झलक भी ट्रेलर में मिलती है। 'ईठा' की खासियत सिर्फ इसकी कहानी नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की पारंपरिक लोककलाओं को बड़े पर्दे पर पेश करने का प्रयास भी है। लावणी महाराष्ट्र का लोकप्रिय लोकनृत्य है, जिसमें तेज लय, भावपूर्ण अदाएं और संगीत का खास मेल देखने को मिलता है।

शूटिंग से एक रात पहले आया हार्ट अटैक, फिर भी अगले दिन सेट पर पहुंचे थे रघुबीर यादव, 'हुंकार' निर्देशक ने बयां की गंभीर हालत

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता रघुबीर यादव अपनी शानदार अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हुंकारः द रोअर' में अपने काम को लेकर दर्शकों से तारीफें बटोर रहे हैं। सीरीज की कहानी और कलाकारों के अभिनय के साथ-साथ अब इससे जुड़ा एक ऐसा किस्सा सामने आया है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल, सीरीज के एक बेहद अहम सीन की शूटिंग से ठीक एक रात पहले रघुबीर यादव को हार्ट अटैक आया था। इस घटना का खुलासा खुद सीरीज के निर्देशक करण कपाड़िया और अभिनेता ने एक खास बातचीत के दौरान किया।

अहम सीन की शूटिंग से पहले बिगड़ी थी रघुबीर यादव की तबीयत

हाल ही में निर्देशक करण कपाड़िया और रघुबीर यादव ने 'हुंकारः द रोअर' के एक खास सीन ब्रेकडाउन में हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों ने सीरीज के कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों के पीछे की तैयारी, शूटिंग के अनुभव और सेट से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा किए। बातचीत में उस गवाही वाले सीन का भी जिक्र हुआ, जो कहानी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। करण कपाड़िया ने बताया कि टीम इस अहम सीन की शूटिंग कर रही थी, लेकिन इससे ठीक एक रात पहले रघुबीर यादव को हार्ट अटैक आया था। यह सुनकर बातचीत का माहौल कुछ देर के लिए गंभीर हो गया। हालांकि, अभिनेता ने अपने खास मजाकिया अंदाज में इस घटना को याद करते हुए ऐसी बात कही, जिसने वहां मौजूद लोगों को हंसने पर मजबूर कर दिया।



रघुबीर यादव ने मजाकिया अंदाज में सुनाया किस्सा

रघुबीर यादव ने इस घटना का जिक्र करते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि सीन इतना जबरदस्त था कि उन्हें हार्ट अटैक आने का अनुभव भी उससे ज्यादा अच्छा लगा। अभिनेता की इस टिप्पणी ने बातचीत में हास्य का रंग भर दिया। उनके इस अंदाज से यह भी पता चला कि कलाकार और निर्देशक शूटिंग के दौरान हुए अनुभवों को कितनी सहजता से याद कर रहे थे। हालांकि इस किस्से के पीछे की मेडिकल स्थिति गंभीर थी। गवाही वाला सीन सीरीज के अहम हिस्सों में से एक है और इसे फिल्माने के दौरान कलाकारों को भावनात्मक रूप से काफी कुछ देना पड़ा। करण कपाड़िया द्वारा साझा किया गया यह अनुभव दर्शकों को कैमरे के पीछे की उन परिस्थितियों से भी रूबरू कराता है, जिनकी जानकारी आमतौर पर सामने नहीं आती।

सेहत

सौंफ और धनिया का पानी किन समस्याओं में है असरदार? जानें इसके फायदे और सेवन का सही तरीका

आजकल लोग हेल्दी रहने के लिए घरेलू नुस्खों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं और ऐसे में सौंफ और धनिया का पानी एक बेहतरीन विकल्प है। सौंफ और धनिया में मौजूद पोषक तत्व कई छोटी-बड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। लेकिन सही फायदे पाने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि इसे कब और कैसे पिया जाए। चलिए जानते हैं सौंफ और धनिया के पानी के फायदे और इसका सही सेवन करने का तरीका।

सौंफ और धनिया के पानी के फायदे

बेहतर पाचनः सौंफ और धनिया का पानी पाचन के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। यह पानी पेट की जलन, सूजन, भारीपन और कब्ज से राहत दिलाता है, जिससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है।

डिटॉक्स और वजन कमः सौंफ और धनिया का पानी एक डिटॉक्स वॉटर है जो शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है। यह पानी मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर वजन कम करने में मदद करता है। यह मिश्रण पाचन में सुधार करता है, ब्लोटिंग कम करता है और शरीर से पानी और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है।



शरीर के तापमान को संतुलितः सौंफ और धनिया दोनों तासीर में ठंडे होते हैं, जो गर्मियों में शरीर के तापमान को संतुलित रखते हैं। यह शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालकर पेट को साफ और ठंडा रखता है।

कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोलः सौंफ और धनिया का पानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह मिश्रण नसों में जमे वसा को कम करने में सहायक है। यह फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है, जो पाचन में सुधार और हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी बूस्टरः सौंफ और धनिया का पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सर्दी-जुकाम और संक्रमण से बचाते हैं।

कितने दिनों तक पीना चाहिए जीरा पानी?

किचन में रखी मसालदानी में आपको जीरा जरूर मिल जाएगा। बेहद छोटा सा दिखने वाला ये मसाला कई गुणों से भरपूर है। आयुर्वेद के अनुसार जीरा आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकता है। जीरा पानी का नियमित सेवन करने से आपकी पाचन शक्ति मजबूत होती है, वजन घटाने में मदद मिलती है और इम्युनिटी बूस्ट होती है। अगर आप भी जीरा पानी का भरपूर फायदा लेना चाहते हैं तो यह जानना बहुत जरुरी है कि लगातार कितने दिनों तक जीरा पानी का सेवन करना सही रहेगा। विशेषज्ञों के अनुसार आप लगातार 15-30 दिनों तक इसका सेवन कर सकते हैं। इतने दिनों में यह आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकाल देता है और इसके कई फायदे पहुंचाता है। अगर आप जीरा पानी का सेवन किसी खास उद्देश्य से कर रहे हैं जैसे वजन घटना, कब्ज, ब्लोटिंग, गैस, आदि के लिए तब 2 से 3 महीने तक इसका सेवन किया जा सकता है। बीत में कुछ दिनों का ब्रेक लेकर आप इसे दोबारा पीना शुरू कर सकते हैं।

जीरा पानी पीने के फायदे

पाचन तंत्र मजबूत करता है- जीरा पानी आपके पेट में जाकर एंजाइम्स को सक्रिय करता है। इससे आपको खाना पचाने में आसानी होती है। इसी के साथ कब्ज, एसिडिटी आदि की समस्या में भी राहत मिलती है।

वजन घटाने में मददगार- जीरा पानी के सेवन से आपका मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है और फैट कम होता है। जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है और आप फिट दीखते हैं।

डिटॉक्स करता है- लगातार 15 दिन तक जीरा पानी पीने से आपको फर्क स्पष्ट दिखाई देगा। यह आपके शरीर में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और स्किन में प्राकृतिक ग्लो आता है। आपकी त्वचा निखर जाती है।

इम्युनिटी बढ़ाता है- जीरा पानी में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मौजूद होते हैं जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

पीरियड्स में आराम- ज्यादातर महिलाओं को पीरियड्स के दौरान पेट में बहुत ज्यादा दर्द होता है, लेकिन पेट में होने वाली इस ऐंठन को कम करने में जीरा पानी आपकी मदद करता है।

जीरा पानी बनाने की विधि

जीरा पानी बनाने के लिए आप रात में एक गिलास पानी में 1 चम्मच जीरा डालकर छोड़ दें।

कौन-सी मिर्च है ज्यादा फायदेमंद?

मिर्च का सही इस्तेमाल, खाने की किसी भी चीज के स्वाद को बढ़िया बनाने में मदद कर सकता है।

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हरी मिर्च और लाल मिर्च में से कौन सी मिर्च सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है? अगर आपको भी इस सवाल का सही जवाब नहीं पता है, तो इस आर्टिकल को अंत तक जरूर पढ़िए। आइए सबसे पहले हरी मिर्च और लाल मिर्च के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल कर लेते हैं।

हरी मिर्च के फायदे

क्या आप जानते हैं कि हरी मिर्च में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है? हरी मिर्च में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकती है।

इसके अलावा हरी मिर्च वजन घटाने में भी मदद कर सकती है। हरी मिर्च में मौजूद फाइबर आपकी गट हेल्थ पर पॉजिटिव असर डाल सकता है।

लाल मिर्च के फायदे

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लाल मिर्च में कैप्साइसिन की मात्रा पाई जाती है। कैप्साइसिन शरीर के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने के साथ-साथ फैट को बर्न करने का काम भी कर सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हरी मिर्च हो या फिर लाल मिर्च, दोनों का सेवन लिमिट में रहकर ही करना चाहिए वरना आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

कौन सी ज्यादा बेहतर

जहां इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के लिए हरी मिर्च का सेवन किया जा सकता है, तो वहीं वजन घटाने के लिए लाल मिर्च का इस्तेमाल किया जा सकता है। गट हेल्थ को सुधारने के लिए हरी मिर्च या फिर लाल मिर्च, दोनों में से किसी का भी सेवन किया जा सकता है। अगर आप खाने को ज्यादा तीखा बनाना चाहते हैं, तो लाल मिर्च यूज करें। अगर आप खाने को कम तीखा बनाना चाहते हैं, तो हरी मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रहे कि मिलावट वाली हरी मिर्च या फिर लाल मिर्च न खरीदें वरना आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लिवर-किडनी को साफ करने में असरदार है ये 3 सब्जियां, रोज खाने से क्लीन रहेंगे गुर्दे, आज ही डाइट में करें शामिल

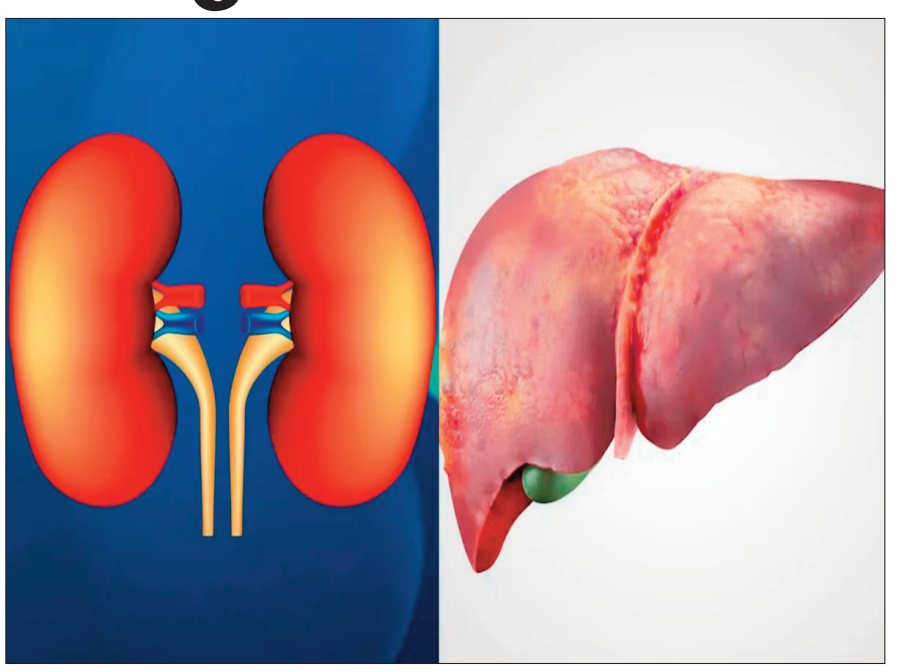
शरीर को स्वस्थ रखने में लिवर और किडनी मदद करती है। जो खून और शरीर में जमा अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकलने में मदद करते हैं। लेकिन इसके लिए लिवर और किडनी का स्वस्थ रहना और बेहतर फंक्शन करना भी जरूरी है। लिवर और किडनी को स्वस्थ रखने के लिए डाइट में ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियों और पत्तेदार सब्जियों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। आप खाने में ब्रोकोली, लहसुन और चुकंदर जैसी सब्जियों को जरूर शामिल करें। इनमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो लिवर और किडनी के काम को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन तीनों सब्जियों को लोगों को नियमित रूप से खाना चाहिए।

यूएसए की एक वेबसाइट हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक हमें खाने में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जो लिवर और किडनी को स्वस्थ रखने और इनके काम को बेहतर बनाने में मदद करते हों।

लिवर और किडनी के लिए सबसे अच्छा क्या है?

ब्रोकोली और क्रूसिफेरस सब्जियां- आपको खाने में क्रूसिफेरस वाली सब्जियां जैसे ब्रोकली, फूलगोभी, पत्तागोभी, बोक चॉय और केल शामिल करनी चाहिए। इन सब्जियों में की खासियत है कि इनमें ग्लूकोसिनोलेट्स पाए जाते हैं, जो लिवर को शरीर में कई पदार्थों को प्रोसेस और मेटाबोलाइज्ड करने में मदद करते हैं। इन सब्जियों में फाइबर, विटामिन सी और कई एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से खून में जमा फैट की मात्रा को कंट्रोल किया जा सकता है। वजन कम करना चाहते हैं तो उसके लिए भी ये सब्जियां अच्छी मानी जाती हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि आप इन सब्जियों को रोजाना और लंबे समय तक डाइट में शामिल करें।

लहसुन- शरीर के लिए लहसुन को बहुत फायदेमंद माना



जाता है। लहसुन में एलिसिन और दूसरे मेटाबोलाइट्स जैसे कार्बनिक सल्फर यौगिक होते हैं। ये एक्टिव पदार्थ हैं एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं। जिससे ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद मिलती है और कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। लिवर लगातार कई तरह के चयापचय उत्पादों, दवाओं, शराब और दूसरे पदार्थों के संपर्क में रहता है। ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ने से लिवर की सेल्स डैमेज होने लगती हैं। लेकिन लहसुन खाने से शरीर को स्वस्थ चयापचय वातावरण बनाने में मदद मिलती है।

चुकंदर- खाने रोज थोड़ी मात्रा में चुकंदर जरूर शामिल करें। चुकंदर में अच्छी मात्रा में नेचुरल बीटालेन और नाइट्रेट पाए जाते हैं। बीटालेन की वजह से चुकंदर का रंग लाल होता है और ये पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। कई रिसर्च से पता चला है कि चुकंदर चयापचय स्वास्थ्य और रक्त वाहिका के फंक्शन में सुधार करता है।

ये इसलिए जरूरी है क्योंकि लिवर और किडनी दोनों अपने फंक्शन के लिए स्थिर रक्त प्रवाह पर बहुत बहुत निर्भर करते हैं। ऐसे में अगर ब्लड सर्कुलेशन खराब होता है। ब्लड प्रेशर अनियमित होता है या शरीर में मेटाबॉलिक समस्याएं पैदा होती है तो लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

शनिवार 31 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में अनुकंपा नियुक्ति के लिए दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बिलासपुर द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। बैंक की स्टाफ उप समिति की 6 अक्टूबर 2026 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत दो आवेदकों की सूची जारी कर आम जनता एवं संबंधित पक्षों से दावा-आपत्ति मंगाई गई है।

बैंक द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के लिए जारी सूची में स्वर्गीय प्रजेश सिंह चंदेल की पत्नी श्रीमती रंजिता सिंह, निवासी कोसा, तहसील पामगढ, जिला जांजगीर-चांपा तथा स्वर्गीय जितेंद्र पाण्डेय के पुत्र श्री विवेक पाण्डेय, निवासी जोरापारा, सरकंडा, बाल्टी फेक्ट्री के पीछे जिला-बिलासपुर के नाम शामिल हैं। दोनों आवेदकों ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। बैंक द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत इनके प्रकरणों पर सहमति के आधार पर विचार किया गया है। बैंक प्रबंधन ने बताया कि संबंधित आवेदकों अथवा उनके आश्रित परिवार के किसी सदस्य के संबंध में कोई आपराधिक या न्यायालयीन प्रकरण लंबित होने, परिवार का कोई सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत होने अथवा अन्य किसी प्रकार की आपत्ति की जानकारी होने पर सात दिनों के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। दावा-आपत्ति बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अथवा जिले में स्थित बैंक के नोडल कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित रूप में प्रस्तुत की जा सकती है। कार्यालय में पत्र व्यवहार हेतु ई-मेल आईडी estb@jskmbilaspur.bank.in अथवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नेहरू चौक बिलासपुर पिन कोड 495001 में जानकारी प्रेषित कर सकते है। निर्धारित अवधि में प्राप्त दावा-आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण करने के बाद अनुकंपा नियुक्ति की आगामी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के सुशासन संकल्प के अनुरूप प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने जिला प्रशासन की त्वरित पहल

अर्नब तूफान से प्रभावित किसानों को राहत देने सक्रिय हुआ प्रशासन, फसल क्षति का सर्वे शुरू

रायपुर ■ दैनन्दिनी



प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बेमेतरा जिले में अर्नब तूफान के प्रभाव से खरीफ फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीमों ने सर्वे शुरू कर दिया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को राजस्व पुस्तक परिपत्र (RBC) 6(4) के प्रावधानों के तहत फसल क्षति का सर्वे कर पात्र किसानों को नियमानुसार राहत राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

अर्नब तूफान के प्रभाव से बेमेतरा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खेतों में खड़ी खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचा है। इससे प्रभावित किसानों को राहत दिलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने राजस्व एवं कृषि विभाग को संयुक्त रूप से सर्वे कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देश के बाद संयुक्त दल गांवों में पहुंचकर खेतों का निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारी फसलों की स्थिति का जायजा लेकर क्षति का आकलन कर रहे हैं, ताकि प्रभावित किसानों की पहचान कर नियमानुसार राहत की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

प्रभावित किसान राजस्व एवं कृषि अधिकारियों को दें जानकारी

जिला प्रशासन ने प्रभावित किसानों से अपील की है कि जिनकी खरीफ फसलों को अर्नब तूफान के कारण नुकसान पहुंचा है, वे इसकी जानकारी तत्काल अपने क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक (RI) अथवा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (RAEO) को दें। इससे सर्वे दल समय पर संबंधित खेतों तक पहुंचकर फसल क्षति का आकलन कर सकेगा। सर्वे कार्य पूर्ण होने और पात्रता निर्धारित किए जाने के बाद शासन के नियमानुसार राजस्व पुस्तक परिपत्र (RBC) 6(4) के तहत पात्र किसानों के बैंक खातों में राहत राशि अंतरित की जाएगी।

जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को सर्वे कार्य गंभीरता और तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिल सके।

विशेष अभियान 6.0 के तहत जिले की संस्थाओं में चला स्वच्छता अभियान

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार विशेष अभियान 6.0 के तहत आज जिले की 1955 संस्थाओं में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों सहित विभिन्न विभागीय संस्थाओं में साफ-सफाई, पौधरोपण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान में महिलाओं, बालिकाओं, स्व-सहायता समूहों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न वर्गों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

अभियान के तहत सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला सशक्तिकरण केंद्र, हब, पालन केंद्र, शक्ति सदन एवं सखी निवास सहित अन्य संस्थाओं में विशेष साफ-सफाई की गई। कार्यालयों में रिकॉर्ड एवं अभिलेखों को



व्यवस्थित करने के साथ ही अनुपयोगी सामग्री का नियमानुसार निस्तारण किया गया। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर एवं पंपलेट वितरित किए गए तथा पौधरोपण भी किया गया। अभियान में शासकीय प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की सक्रिय सहभागिता रही। विशेष अभियान के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की हेल्पलाइन 1515, पोषण ट्रैकर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा सीपीग्राम्स (CPGRAMS) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए ई-चौपाल के माध्यम से कार्रवाई की गई। अभियान के अंतर्गत आयोजित सभी स्वच्छता गतिविधियों की जानकारी मिशन शक्ति डैशबोर्ड पर दर्ज की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य विभागीय संस्थाओं में स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करना है। विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। अभियान के माध्यम से संस्थाओं की कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने का भी प्रयास किया गया।

आपदा में जीवन बचाने के लिए तत्पर रहें जल मित्र : कलेक्टर

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। बाढ़ एवं जल दुर्घटनाओं में त्वरित राहत और बचाव के लिए जल मित्रों को तैयार करने आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आज समापन हुआ। एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र परसदा में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने 50 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल एवं एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र परसदा के संचालक श्री लक्ष्मी प्रसाद वर्मा उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा के समय त्वरित निर्णय, सही तकनीक और समन्वित प्रयास लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का नियमित अभ्यास करें और जरूरत पड़ने पर पूरी तत्परता के साथ बचाव कार्य में सहयोग दें। उन्होंने सुरक्षित तरीके से राहत एवं बचाव कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित जल मित्रों की उपलब्धता से आपात स्थितियों में तत्काल सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने प्रशिक्षार्थियों से बचाव कार्यों और प्रशिक्षण के अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की तथा उनके सुझाव भी लिए। उन्होंने कौशल को अद्यतन बनाए रखने के लिए समय-समय पर रिफ्रेशर कोर्स आयोजित करने और जल मित्रों का व्हाट्सएप समूह बनाने का सुझाव दिया, ताकि सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान और बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ तथा बांध, नदी एवं तालाबों में डूबने की घटनाओं से बचाव के लिए 26 से 30 अक्टूबर तक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें जिले के विभिन्न अनुविभागों एवं तहसीलों के कोटवारों, मछुआरों, गोताखोरों और कुशल तैराकों सहित 50 प्रतिभागियों को मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

बारिश से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने खेतों में पहुंचीं कलेक्टर



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। चक्रवात के प्रभाव से जिले में हुई बारिश के कारण फसलों को हुए संभावित नुकसान का जायजा लेने कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति गांव के खेतों में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने खेतों में पहुंचकर फसलों का अवलोकन किया और बारिश से फसलों को हुए नुकसान की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल, एसडीएम, तहसीलदार उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ग्राम सिंघनपुरी पहुंचीं, जहां उन्होंने किसानों से सीधे चर्चा कर बारिश से फसलों पर पड़े प्रभाव की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से फसल की स्थिति, नुकसान की प्रकृति और प्रभावित रकबे के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने कहा कि जिन किसानों की फसलों को बारिश के कारण नुकसान हुआ है, वे संबंधित ग्राम पंचायत में अपना आवेदन प्रस्तुत करें।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के माध्यम से प्रभावित किसानों से आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए, ताकि फसल नुकसान की स्थिति की जानकारी संकलित कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का गंभीरता से निरीक्षण करने तथा किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से संज्ञान में लेने के निर्देश भी दिए।

लंबित स्थायी वारंटियों पर कबीरधाम पुलिस की कार्रवाई, चार गिरफ्तार

सिटी कोतवाली, कुंडा और पोड़ी पुलिस ने की कार्रवाई, वारंटियों को न्यायालय में किया पेश



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में लंबित स्थायी वारंटों की तामीली को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कबीरधाम पुलिस ने चार स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर विधिवत माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। इनमें सिटी कोतवाली पुलिस ने दो, कुंडा थाना पुलिस ने एक तथा पोड़ी चौकी पुलिस ने एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को माननीय न्यायालय द्वारा जारी वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में पुलिस द्वारा लंबित वारंटों के निष्पादन और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

गिरफ्तार किए गए वारंटियों में ये शामिल

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए स्थायी वारंटियों में ओगेश्वर राज सिन्हा (40 वर्ष), पिता पूनाराम सिन्हा, निवासी वार्ड क्रमांक 01, साईं मंदिर के पास, कवर्धा; मंतराम सोनवानी (19 वर्ष), पिता बुधराम सोनवानी, निवासी मिनीमाता चौक, अटल आवास, थाना कवर्धा; गणेश उर्फ रायसन (33 वर्ष), पिता अलखराम मेहरा, थाना कुंडा क्षेत्र तथा दीपक कुमार साहू, पिता बहादुर साहू, निवासी ग्राम सारंगपुर कला, चौकी पोड़ी, थाना बोड़ला, जिला कबीरधाम शामिल हैं।

कबीरधाम के दिव्यांग तैराकों ने रचा इतिहास

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते 8 पदक

तीन खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया जिले का गौरव

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने खिलाड़ियों का किया सम्मान एवं उत्साहवर्धन



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। 13वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पैरा दिव्यांग तैराकी प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक हासिल किए हैं। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का परिचय देते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि पर आज खिलाड़ियों ने कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति से सौजन्य भेंट की। कलेक्टर ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें इस शानदार सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया है। उनकी यह सफलता अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी निरंतर अभ्यास करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने तथा जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास, निरंतर अभ्यास और समर्पण के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करेगी।

तीन खिलाड़ियों ने जीते 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक

13वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पैरा दिव्यांग तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 29 अक्टूबर 2026 को बिलासपुर में किया गया था। प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न तैराकी स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में सुखचैन निषाद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 100 मीटर फ्रीस्टाइल एवं 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर तीन स्वर्ण पदक हासिल किए। इसी प्रकार खिलेश्वर पटेल ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल एवं 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, सुखनंदन निषाद ने 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में रजत पदक तथा 50 मीटर बैकस्ट्रोक में कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रकार कबीरधाम जिले के तीनों खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 8 पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।

निरंतर अभ्यास और कठिन परिश्रम से मिली सफलता

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे निरंतर अभ्यास, कठिन परिश्रम और खेल के प्रति समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कोच वसीम रजा कुरैशी एवं राजेश निर्मलकर तथा टीम मैनेजर अनिल चंद्रवंशी ने खिलाड़ियों के नियमित प्रशिक्षण, मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने भविष्य में भी खिलाड़ियों से बेहतर परिणाम हासिल करने की उम्मीद जताई। समाज कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती अभिलाषा पंडा ने भी सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम सूरजपुरा एवं पिरचाटोला में कोदो पैरा विषाक्तता से प्रभावित पशुओं का उपचार जारी, सभी 145 पशुओं के स्वास्थ्य में हो रहा सुधार



पशुधन विकास विभाग की टीम द्वारा लगातार उपचार एवं फॉलोअप, प्रभावित पशुओं ने चारा-दाना खाना किया प्रारंभ

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम सूरजपुरा एवं पिरचाटोला में कोदो पैरा विषाक्तता से प्रभावित पशुओं का पशुधन विकास विभाग द्वारा लगातार उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। ग्राम पंचायत से सूचना प्राप्त होने पर विभाग द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए 28 अक्टूबर 2026 से प्रभावित पशुओं का उपचार प्रारंभ किया गया, जो निरंतर जारी है।

पशुधन विकास विभाग, सहसपुर लोहारा की टीम द्वारा प्रभावित पशुओं को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के साथ नियमित फॉलोअप भी किया जा रहा है। वर्तमान में सभी प्रभावित पशुओं के स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है तथा पशुओं ने चारा-दाना खाना भी प्रारंभ कर दिया है। विभागीय जानकारी के अनुसार, कुल 145 प्रभावित पशुओं का उपचार जारी है और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि 29 अक्टूबर 2026 को ग्राम सूरजपुरा में दो पशुओं की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद प्रभावित सभी 145 पशुओं का उपचार एवं स्वास्थ्य निगरानी निरंतर जारी रखी गई है। विभाग के अनुसार, उक्त दो पशुओं के अतिरिक्त उपचाराधीन 145 प्रभावित पशुओं में से किसी अन्य पशु की मृत्यु नहीं हुई है। पशुधन विकास विभाग की टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्र में निरंतर उपचार एवं फॉलोअप कर पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पशु चिकित्सा विभाग के प्रभारी उप संचालक डॉ आशीष देवांगन ने पशुपालकों से भी अपील की गई है कि वे अपने पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें तथा किसी भी प्रकार के असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र से संपर्क करें।

:- संपादकीय :-

देश को भरोसे में लेना चाहिए

क्या चीन से संबंध सुधारने की प्रक्रिया इस पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? सरकार को इस पर तुरंत देश को भरोसे में लेना चाहिए।भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निदेशक शत्रुजित कपूर के सनसनीखेज भाषण के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अरुणाचल प्रदेश में चीनी फौज के गश्ती के तय रास्ते से भटकने के कारण अक्सर भारतीय बलों के साथ उसका टकराव हो जाता है। उसके एक दिन पहले कपूर ने कहा था कि 'पिछले कुछ दिनों में ऐसे हालात बने, जब अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर दोनों देशों के सुरक्षा बलों का आमना-सामना हुआ और यह अभी भी जारी है।इ इस बयान ने यह साफ किया कि भारत और चीन के बीच हाल की सीमा वाताओं में बनी सहमतियां जमीनी स्तर पर टकराव टालने में कामयाब नहीं हुई हैं।इससे उचित ही चीन के साथ संबंध के बारे में भारत सरकार की नीति पर सवाल खड़े हुए। बहरहाल, उससे भी कहीं ज्यादा अहम कपूर की दूसरी टिप्पणी है, जिसमें उन्होंने कहा कि अब पारपंरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है, क्योंकि उसने हथियार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। ऐसे में कपूर ने भारत को ड्रोन्स पर भरोसा करने की सलाह दी। इस बात का जिक्र करते हुए कि यूक्रेन ने ड्रोन्स के जरिए रूस जैसी महाशक्ति को चुनौती दी है, कपूर ने कहा- 'ड्रोन ऐसा माध्यम हैं, जिनके जरिए एक छोटा देश भी बड़े देश को चुनौती दे सकता है।इहैरतअंगेज है कि जिस बल पर चीन से लगी भारतीय सीमा की रक्षा की जिम्मेदारी है, उसके प्रमुख अब चीन के बरक्स को भारत को छोटी ताकत बता रहे हैं! कपूर ने कहा कि आईटीबीपी 50 साल पुराना बल है, जिसके आधुनिकीकरण की जरूरत है। तो सवाल उठता है कि क्या गलवान घाटी जैसी घटना के बावजूद इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए? और क्या अभी चीन से संबंध सुधारने की जारी प्रक्रिया इसी पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? नरेंद्र मोदी सरकार को इस पर तुरंत सारे देश को भरोसे में लेना चाहिए। वरना, ऐसी टिप्पणियों का देशवासियों के मनोबल पर स्थायी और दूरगामी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

आधुनिक तकनीक से जीवंत हुईं जनजातीय अमर बलिदानियों की शौर्यगाथाएं

डॉ.ओम डहरिया
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ की पावन धरा सदियों से त्याग, तपस्या, संघर्ष और स्वाभिमान की साक्षी रही है। यहां के घने जंगलों, पर्वतों और वनांचलों में स्वतंत्रता की ऐसी अनगिनत गाथाएं जन्मीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके इन जनजातीय नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को अब एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जनजातीय कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय' देश में जनजातीय शौर्य, स्वाभिमान और आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनूठे संगम के रूप में उभरा है। यह भव्य संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह अवसर केवल एक संग्रहालय के लोकार्पण का नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प की सार्थक अभिव्यक्ति का था। लगभग 50 से 55 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक संग्रहालय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली देश की विशिष्ट परियोजनाओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह संग्रहालय उसी सोच का साकार स्वरूप है, जिसमें विकास के साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और पुरखों के बलिदान को सहेजने का संकल्प निहित है। विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक धरोहर का निर्माण प्रदेश के जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को नई ऊंचाई प्रदान करता है।

भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया, वह आज भी छत्तीसगढ़ की सामूहिक चेतना में जीवित है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल विद्रोह नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। इस संग्रहालय में वीर नारायण सिंह सहित उन असंख्य जनजातीय योद्धाओं की गाथाओं को जीवंत किया गया है, जिनका संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत आधारशिला बना।

जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थापित इस संग्रहालय की भव्य दीर्घाएं इतिहास के उन अध्यायों से परिचित कराती हैं, जिन्हें जानना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। यहां लगभग 650 से अधिक जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से जनजातीय संघर्षों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह और सोनाखान विद्रोह जैसी ऐतिहासिक घटनाएं दर्शकों को जनजातीय वीरता के उस दौर में ले जाती हैं, जब सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे पुरखों ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी थी। झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह के लिए निर्मित विशेष दीर्घाएं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ के योगदान को और व्यापक रूप में प्रस्तुत करती हैं।

इस संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता इतिहास और आधुनिक तकनीक का अद्भुत समन्वय है। अत्याधुनिक वीएफएक्स तकनीक, डिजिटल प्रोजेक्शन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों और जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि दर्शक स्वयं को उस कालखंड का साक्षी महसूस करते हैं। यहां इतिहास केवल पढ़ा या देखा नहीं जाता, बल्कि उसकी अनुभूति होती है। युद्धभूमि का वातावरण, वीर सेनानियों का संघर्ष, जनजातीय समाज की जीवनशैली और स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत हो उठते हैं।

डिजिटल सूचना प्रणाली इस संग्रहालय को विशेष पहचान प्रदान करती है। प्रत्येक दीर्घा में स्थापित डिजिटल बोर्ड, क्यूआर कोड और अन्य आधुनिक माध्यमों से आगंतुक संबंधित ऐतिहासिक घटनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करते ही इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध हो जाती हैं। प्रशिक्षित गाइड भी दर्शकों को जनजातीय विद्रोहों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से परिचित कराते हैं। इस प्रकार यह संग्रहालय इतिहास, शोध, शिक्षा और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।

आगंतुकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। संग्रहालय परिसर में स्वच्छ पेयजल, व्यवस्थित पार्किंग, सीसीटीवी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा शिशुवती माताओं के लिए शिशु देखभाल कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से बच्चों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए संग्रहालय का भ्रमण सुविधाजनक और ज्ञानवर्धक बनता है।

लोकार्पण के बाद से ही इस ऐतिहासिक संग्रहालय के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में एक से दो हजार तथा अवकाश के दिनों में चार से पांच हजार तक दर्शक यहां पहुंच रहे हैं।

शुभारंभ से अब तक तीन लाख से अधिक आगंतुकों का संग्रहालय का अवलोकन करना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मुक्केबाज मैरीकॉम सहित विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, सैन्य जवानों और विदेशी पर्यटकों ने भी यहां प्रदर्शित जनजातीय शौर्यगाथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की है।

यह संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों को सहेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम भी है। विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को यह समझने का अवसर मिलता है कि भारत की स्वतंत्रता केवल कुछ महानगरों या चुनिंदा आंदोलनों के संघर्ष का परिणाम नहीं थी, बल्कि दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले जनजातीय समाज ने भी इसके लिए असाधारण त्याग और बलिदान दिया था। यही कारण है कि यह स्मारक राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसके साथ ही संग्रहालय छत्तीसगढ़ में पर्यटन की नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या स्थानीय रोजगार, पर्यटन सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है। नवा रायपुर की पहचान अब आधुनिक प्रशासनिक राजधानी के साथ जनजातीय इतिहास और सांस्कृतिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी विकसित हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निर्मित यह भव्य स्मारक इस बात का प्रमाण है कि अपनी ऐतिहासिक विरासत का सम्मान करते हुए आधुनिक तकनीक के माध्यम से उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही सांस्कृतिक संरक्षण की सार्थक दिशा है। जनजातीय कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के सतत मार्गदर्शन में साकार यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु बन गया है।

नवा रायपुर की धरती पर खड़ा यह भव्य डिजिटल स्मारक आने वाली सदियों तक जनजातीय स्वाभिमान की अमर ज्योति प्रज्वलित रखेगा। इसकी प्रत्येक दीर्घा, प्रत्येक मूर्ति और प्रत्येक ऐतिहासिक दृश्य मानो यही संदेश देता है कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल पराधीनता से मुक्ति नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का अटूट संकल्प है।

छत्तीसगढ़ के वीर जनजातीय पुरखों ने अपने रक्त से स्वतंत्रता का जो इतिहास लिखा था, उसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आधुनिक तकनीक ने नई अभिव्यक्ति दी है। यह केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि इतिहास का पुनर्जागरण, बलिदानियों का सम्मान और जनजातीय अस्मिता के गौरव का राष्ट्रीय उद्घोष है।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज जीवनसाथी के साथ आपकी नजदीकियां बढ़ेंगी। स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को आप नजर अंदाज ना करें और किसी अपरिचित व्यक्ति से बहुत ही सूझबूझ दिखा कर बातचीत करें। आप अपने किसी पुराने वाद विवाद के कारण थोड़े परेशान रहेंगे, जिसमें आपको अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखनी होगी, नहीं तो समस्या हो सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी नए निवेश को करने का मौका मिलेगा। आपको बिजनेस में किसी बड़ी डील को फाइनल करने में धोखा मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा। परिवार में किसी सदस्य को आपकी बात बुरी लग सकती है, जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें आज शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में आप पार्टनरशिप में काम ना करें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी प्रयास करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आपको बिजनेस में एक बड़ी सफलता मिलने के योग बनते दिख रहे हैं ।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है किसी संपत्ति में उसके चल व अचल पहलुओं की स्वाधीनता से जांच ले, नहीं तो समस्या हो सकती है। आज नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करेंगे। साथ ही आज अच्छी खबर भी आपको मिल सकती है।

सिंह राशि :आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति मिलने के संकेत दे रहा है। आज परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी को लेकर आप डिनर डेट पर लेकर जा सकते हैं। आप यदि किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी और आप दिल खोलकर निवेश कर सकते हैं।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप अपने रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी उस एनर्जी को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को आज अपनी बात पर कायम रहना होगा, नहीं तो लोग आपको किसी मामले में झूठा साबित कर सकते हैं और व्यापार में आपके लिए गए निर्णय से आपको लाभ मिलेगा। व्यवसाय में यदि आप किसी के साथ साझेदारी में काम करना चाहते हैं, तो उसमें आप उसकी पूरी जांच पड़ताल आवश्यक करें।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखने का प्रयास करेंगे। बच्चों से आज अपने मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिलने से आपकी प्रशंसा का ठिकाना नहीं रहेगा। आप आज किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो, तो उसमें आपको मान सम्मान मिलेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पारिवारिक समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। आज आप किसी सामाजिक काम का हिस्सा बनेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज आप प्रतिदिन की दिनचर्या में सुबह की सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आप अपने विचारों से कार्यक्षेत्र में माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपको कुछ मतभेदों से दूर रहना होगा। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज काम-धंधे पर ज्यादा ध्यान देंगे। जहां तक हो सके, सकारात्मक और कॉन्फिडेंट रहें। आपके जरूरी कामकाज आज निपट सकते हैं। आज आस-पास के लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे। आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरूरत है। मित्रों से मिलने उनके घर जा सकते हैं।

सू- दोकू क्र.202

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.201का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

नजरिया | धनंजय राठौर, ताराशंकर सिन्हा,

आजादी के बाद पहली बार ग्राम चांगेर में पहुंची विकास की रोशनी



छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के कई दूरदराज और नक्सल-प्रभावित गांवों में दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली पहुंचाई गई है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोडने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कोण्डागांव जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित अति दुर्गम ग्राम चांगेर में आजादी लगभग 8 दशकों में पहली बार बिजली पहुंची है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से कराए गए विद्युतीकरण कार्य के फलस्वरूप गांव के सभी 23 घर अब रोशनी से जगमगा उठे हैं।

प्रशासनिक और भौगोलिक कारणों से जिन क्षेत्रों में आठ दशकों तक बिजली नहीं पहुँच पाई थी, वहाँ सरकारी प्रयासों और विभिन्न ग्रामीण विद्युतीकरण योजनाओं के जरिए रोशनी पहुँची है। ग्राम चांगेर के ग्रामीण वर्षों से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। शाम ढलते ही गांव में अंधेरा छा जाता था। बच्चों को पढ़ाई के लिए लालटेन का सहारा लेना पड़ता था, वहीं रात के समय आवागमन में भी ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बिजली के अभाव में दैनिक जीवन के अनेक कार्य प्रभावित होते थे। ऐसे में गांव में विद्युतीकरण होना ग्रामीणों के लिए लंबे इंतजार के बाद पूरी हुई एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

ग्राम चांगेर के सभी 23 घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए-ग्राम चांगेर तक विकास की रोशनी पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 25.21 लाख रुपये की लागत से विद्युतीकरण कार्य कराया गया। इसके तहत गांव के सभी 23 घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल से ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा मिलने के साथ ही उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई संभावनाएं भी बनी हैं। लंबे समय से अंधेरे में जीवन गुजार रहे कई गाँवों और मजरों में पहली बार बिजली के बल्ब और की रोशनी पहुँची है। बिजली आने से ग्रामीणों और बच्चों को अंधेरे से राहत मिली है तथा रात के समय कामकाज और पढ़ाई में आसानी हुई है।आधुनिक सुविधाओं से जोडने की दिशा में महत्वपूर्ण कदमग्राम चांगेर में बिजली पहुंचने से बच्चों को अब शाम के समय बेहतर रोशनी में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्रामीणों को घरेलू कार्यों में सुविधा और रात के समय आवागमन में सहूलियत मिलेगी। बिजली की उपलब्धता से शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। यह सुविधा ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोडने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई शुरूआत-ग्राम चांगेर में पहली बार बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों के लिए यह केवल बिजली कनेक्शन मिलने की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्षों से प्रतीक्षित सुविधा, सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई शुरूआत है।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा दूरस्थ चांगेर- माओवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा की स्थिति में सुधार के साथ विकास कार्यों को गति मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम गांवों तक सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विचार | कमलेश पांडेय

यूरोप में यूपी के योगी मॉडल पर अमल के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ



कानून-व्यवस्था की बहस में बदलावः यदि यूरोपीय देश उत्तर प्रदेश की तरह अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गति, पुलिस-प्रशासन के समन्वय और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर अधिक ध्यान देते हैं, तो उनकी आंतरिक सुरक्षा नीतियों में बदलाव आ सकता है। इससे भारत के प्रशासनिक अनुभवों में अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ सकती है।यूरोप में कानून-व्यवस्था, हिंसक प्रदर्शनों, संगठित अपराध और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की घटनाओं के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शासन-शैली पर चर्चा एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक और नीतिगत विषय है। लेकिन इसका विश्लेषण करते समय एक बुनियादी सवाल समझना आवश्यक है कि क्या यूरोप को यूपी के 'योगी मॉडल' की सख्ती अपनाने की जरूरत है, या उसे उस मॉडल के कुछ चुनिंदा प्रशासनिक उपायों से सीख लेनी चाहिए? यहां पर यह बुनियादी सवाल इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ष 2017 के बाद अमेरिका-यूरोप ने योगी मॉडल की आलोचना की थी।लिहाजा, इस प्रश्न का उत्तर यूरोप की राजनीतिक व्यवस्था, मानवाधिकार संबंधी प्रतिबद्धताओं और उत्तर प्रदेश में अपनाई गई नीतियों के वास्तविक परिणामों को साथ रखकर ही दिया जा सकता है। लेकिन जब 'इस्लामिक अतिवादी' स्थानीय असंतुष्ट लोगों के साथ मिलकर यूरोप का इस्लामीकरण पर उतारू हों और ईरान का परोक्ष बरदहस्त उन्हें प्राप्त हो तो अमेरिका के बाद यूरोपीय विवशता समझी जा सकती है।सबसे पहला सवाल यह है की योगी मॉडल से हमारा आपका क्या आशय है? तो माकूल जवाब यही होगा कि राजनीतिक विमर्श में योगी मॉडल का प्रयोग मुख्यतः उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देने, अपराधियों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई, संगठित अपराध पर नियंत्रण, प्रशासनिक सख्ती और अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई जैसी नीतियों के लिए किया जाता है।

ब्यूटी और रील कॉम्पिटिशन, व्रत बाय डिफॉल्ट

मोहल्ले की दूसरी महिलाओं के ब्यूटी टिप्स हासिल करने के लिए उनकी कामवाली बाई को सीक्रेट एजेंट बनाने की मशक्कत करनी पड़ेगी। पैसा भी खर्च करना पड़ेगा।सुनते हो! ब्यूटी कॉम्पिटिशन में बस एक दिन रह गया है और अभी बहुत-सी तैयारियां बाकी हैं। पत्नी ने हड़बड़ाहट में पति से कहा।पति बोला, सुनते हो या नहीं, कहने की राजशाही छूट वाले पति अब कहां रहे?थोड़ी चुप्पी के बाद पति मधुर स्वर में बोला, भाग्यवान, ये भी तो बताओ कि व्रत के बीच में ब्यूटी कॉम्पिटिशन कहां से आ गया?धर्मपत्नी बोली, अरे, मैं करवाचौथ का आधुनिक नाम ले रही थी। सच कहूं तो ब्यूटी भी क्या, यह तो मेकअप कॉम्पिटिशन है। पिछले कई वर्षों तक इस आधुनिक नाम का अर्थ नहीं समझ पाई, इसलिए पिछड़ गई।पत्नी जी आगे फरमाती हैं, करवाचौथ पर पति की लंबी उम्र की कामना तो बाय डिफॉल्ट, यानी विवाह-दर्शन का हिस्सा होनी ही है। यह तो भारतीय संस्कारों में है। ऑटोमेटिक पायलट का बटन भारतीय पत्नियों के हृदयतल में करवाचौथ आते ही अपने आप दब जाता है। मुश्किल है मोहल्ले की औरतों के बीच ब्यूटी कॉम्पिटिशन जीतना। इसका कोई बटन नहीं है।पत्नी बोली, हैं-हैं! जीत पक्की... आए कहीं के! पिछली कई प्रतियोगिताएं हार चुकी हूं। उधर, हर साल मुकाबला बढ़ता ही जा रहा है। मेकअप पैकेज को लेकर मोहल्ले की महिलाओं में शीतयुद्ध चल रहा है। तुम्हें क्या मालूम! खबर है कि शहर में करवाचौथ स्पेशल मेकअप के लिए 50 हजार रुपये की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। मजबूत मेकअप की कीमत तुम क्या जानो, पति बाबू!पत्नी कुछ देर रुकी, फिर बोली, ह्यएक काम कर लो। करवाचौथ पर मेरे मिसेज कॉलोनी की सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने की कामना करते हुए एक व्रत तुम भी रख लो। इस दिन तुम और तो कुछ कर नहीं सकते। तुम्हारे यूपीआई और क्रेडिट कार्ड तक पर मेरा ही कब्जा है। पेमेंट भी तुम्हें नहीं करनी है।पति ने कहा, हां, रख लेता हूं जी।पति ने मन ही मन सोचा कि शायद इसके साथ ही शोले ठंडे पड़ जाएं। लेकिन पत्नी फिर धधकती हुई बोली, खाली तुम्हारे व्रत रखने से यह सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं जीत जाऊंगी। मोहल्ले की दूसरी महिलाओं के ब्यूटी टिप्स हासिल करने के लिए उनकी कामवाली बाई को सीक्रेट एजेंट बनाने की मशक्कत करनी पड़ेगी। पैसा भी खर्च करना पड़ेगा।पति ने कहा, भाग्यवान, सुंदर चेहरे के साथ कितना सुंदर दिमाग भी पाया है।पत्नी फिर धधकी, छोड़ो ये चोंचले! आइडिया दे नहीं सकते, बस मक्खन लगा रहे हैं।आखिर में एक काम कर दो–चांद निकलने के वक्त मेरी रील अच्छी बनवा देना। पिछली बार तुम्हारे चक्कर में रील खराब हो गई थी और तीन बार आरती उतारनी पड़ी थी। और हां, गाना वही लगाना–

शब्द सामर्थ्य -202

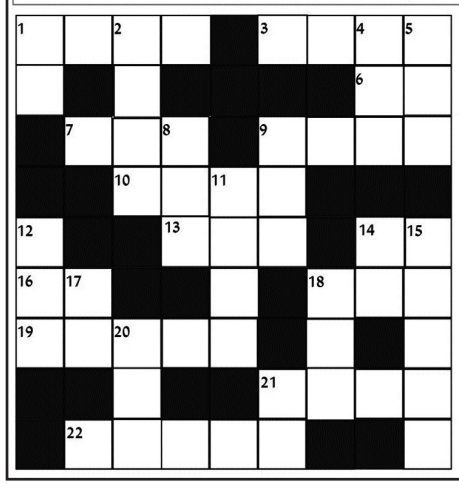
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 201का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के संकल्प के साथ गरियाबंद में भाजपा की ऐतिहासिक जनसभा एवं विशाल पदयात्रा

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने एसआईआर को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना, कहा– लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा विपक्ष

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी जिला गरियाबंद के तत्वावधान में शुक्रवार को जिला मुख्यालय गरियाबंद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के संकल्प के साथ विशाल जनसभा एवं भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, भाजपा जिला संगठन प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, राजिम विधायक रोहित साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, बिंद्रानवागढ़ विधानसभा प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, छत्तीसगढ़ भंडारगृह निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।



कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी मैदान में आयोजित विशाल आमसभा से हुआ। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित होना चाहिए तथा अपात्र नामों को नियमानुसार हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसी संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर विपक्ष द्वारा जनता के बीच भ्रम और आशंकाएं फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदाता सूची आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे जनता के बीच जाकर एसआईआर की प्रक्रिया की सही जानकारी पहुंचाएं तथा किसी भी प्रकार के भ्रामक प्रचार से लोगों को जागरूक करें।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने विपक्ष की राजनीतिक गतिविधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना प्रत्येक राजनीतिक दल का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता, भ्रम और अव्यवस्था फैलाना उचित नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा, सुशासन और जनकल्याणकारी कार्यों को लेकर जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला संगठन प्रभारी अमित चिमनानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मर्यादाओं और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्ध संगठन है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता को गुमराह करना और व्यवस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना उचित नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक एकजुटता के साथ जनजागरण अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।

राजिम विधायक रोहित साहू ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक मतदाता और जिम्मेदार नागरिक होते हैं। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही संगठन निरंतर मजबूत होता है। विपक्ष द्वारा किए जा रहे भ्रामक प्रचार का जवाब तथ्यों, जनसंवाद और जनजागरूकता के माध्यम से दिया जाना चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि गरियाबंद जिले में संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ सहभागिता निभाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। लोकतंत्र की रक्षा और अराजकता के विरोध में संगठन की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। बिंद्रानवागढ़ विधानसभा प्रभारी एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संवैधानिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के सम्मान से मजबूत होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर सही जानकारी देने और संगठन के विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ भंडारगृह निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास लोकतांत्रिक संघर्ष, संगठनात्मक अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता के बीच निरंतर संपर्क ही संगठन को मजबूती प्रदान करता है। लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विचारों का संघर्ष स्वाभाविक है, लेकिन राजनीतिक विरोध की आड़ में अराजकता को बढ़ावा देना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर सक्रिय रहने की अपील की।

पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संकल्पित है। उन्होंने संगठन की एकजुटता, अनुशासन और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

गुरुद्वारे में धूमधाम से मनाया गया करवा चौथ



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर के गुरुद्वारे में करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखा।

महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना कर व्रत का पारण किया। पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। गुरुद्वारे में धार्मिक माहौल के बीच महिलाओं ने एक-दूसरे को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं। पूरे आयोजन में पारंपरिक संस्कृति और आपसी सौहार्द की झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर निक्की अनिल सलूजा, लाडो छाबड़ा दीपिका सलूजा, सोनी सलूजा, ममता सलूजा, अंजलि सलूजा, पूजा सलूजा, शुभी सलूजा, अनीशा सलूजा, रश्मित सलूजा, पूजा नवीन सलूजा, निष्ठा सलूजा, रेविका सलूजा, चांदनी सलूजा, रितु सलूजा, सिमरन सलूजा, हेमलता खत्री, साक्षी सलूजा, मंजू सलूजा, डली बग्गा, सोनम सलूजा, रोमी सलूजा, पलक सलूजा, बिन्नी सलूजा, बीरी सलूजा निक्की, आनंद सलूजा, निक्की अमित सलूजा पूनम छाबड़ा लीना छाबड़ा आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को निखारने का सशक्त मंच: रोशनी शर्मा

मिश्रीदेवी विद्यालय में विकासखंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन

गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद गौरेला के अंतर्गत प्रतिष्ठित मिश्रीदेवी विद्यालय में विकासखंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद गौरेला की उपाध्यक्ष रोशनी तापस शर्मा शामिल हुईं। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न विद्यालयों से आए बाल वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान आधारित मॉडलों एवं नवाचारों का अवलोकन किया।



इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद गौरेला की उपाध्यक्ष रोशनी शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को सरल, सुगम और बेहतर बनाने का माध्यम है। बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी बच्चों की कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त मंच है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, अनुसंधान और नवाचार की भावना विकसित होती है।

उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल के वैज्ञानिक, इंजीनियर और देश के भविष्य के निर्माता हैं। बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें अपनी सोच को प्रयोगों के माध्यम से साकार करने का अवसर देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदर्शनी में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किए, जिनमें उनकी वैज्ञानिक समझ, कल्पनाशीलता और नवाचार की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी, पार्षद मनोज विश्वकर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता तापस शर्मा एवं विद्यालय की प्राचार्य उषा शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए तथा कार्यक्रम का संचालन शोभा पाठक ने किया

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना रहा, इस अवसर पर शिक्षक रमेश प्रधान, विवेक तिवारी, अरविंद पांडेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक गण, छात्र छात्राए मौजूद रहें!

अनंतपुरम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू का दावा मोदी, नायडू और अजेश बाबू के संगम से चमकेगा शहर

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के राज्य मंत्री तोखन साहू ने आंध्र प्रदेश के अनंतपुरम में एनडीए के मेयर प्रत्याशी के. अजेश बाबू एवं गठबंधन के सभी कॉर्पोरेटर प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली एवं जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने अनंतपुरम की देवतुल्य जनता से एनडीए प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने और शहर के विकास के लिए गठबंधन को अपना आशीर्वाद एवं समर्थन देने की अपील की।



अपने संबोधन की शुरुआत श्री साहू ने अनंतपुरम की जनता, रायलसीमा की स्वाभिमानी, वीर एवं परिश्रमी धरती के भाइयों, बहनों, युवा साथियों और सम्मानित व्यापारियों को अभिवादन करते हुए की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उन्हें आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री के रूप में देश के शहरों की सेवा करने का अवसर मिला है। शहरी विकास के अंतर्गत आधुनिक शहरों का निर्माण, पक्के मकान, स्वच्छ पेयजल, सड़कों का विकास और सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।

श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के शहर तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने अनंतपुरम की जनता को विश्वास दिलाया कि एनडीए के मेयर प्रत्याशी के. अजेश बाबू को भारी मतों से विजयी बनाकर नगर निगम में भेजने पर अनंतपुरम के शहरी विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से बजट, फंड और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजबूत नेतृत्व, आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शी सोच और स्थानीय निकाय में एनडीए का बोर्ड—इन तीनों का समन्वय अनंतपुरम में विकास की ट्रिपल इंजन गति सुनिश्चित करेगा।

मेयर प्रत्याशी के. अजेश बाबू की सराहना करते हुए श्री साहू ने कहा कि नगर निगम का नेतृत्व ऐसे समर्पित जनसेवक के हाथों में होना चाहिए, जो दिन-रात जनता की सेवा के लिए तत्पर रहे और शहर के प्रत्येक वार्ड एवं नागरिक की समस्याओं को गहराई से समझे। के. अजेश बाबू केवल एक प्रत्याशी नहीं, बल्कि अनंतपुरम के स्वर्णिम भविष्य की उम्मीद हैं। उनके नेतृत्व में एनडीए का संकल्प पत्र पूरी पारदर्शिता और तेजी के साथ धरातल पर उतरेगा। उन्हें विजयी बनाना अनंतपुरम को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

एनडीए के 13 विकास संकल्पों से बदलेगी अनंतपुरम की तस्वीर

श्री साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप एनडीए के मेयर प्रत्याशी के. अजेश बाबू एवं गठबंधन द्वारा अनंतपुरम के कायाकल्प के लिए प्रस्तुत 13 प्रमुख विकास संकल्पों का उल्लेख किया।

इनमें शहर में चौड़ी एवं मजबूत सड़कों का निर्माण, बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से मुक्ति, प्रत्येक घर को भूमिगत सीवरेज व्यवस्था से जोड़ना, बच्चों एवं बुजुर्गों के लिए आधुनिक पार्क और वॉकिंग ट्रैक विकसित करना, कचरा प्रबंधन एवं डंपिंग यार्ड की व्यवस्था में सुधार कर शहर को धूल-मुक्त बनाना तथा हरित क्षेत्र का विस्तार करना शामिल है।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक रसोई तक पाइपलाइन के माध्यम से गैस पहुंचाने, प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण, 24 घंटे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, शहर के आधारभूत ढांचे का आधुनिकीकरण, बाजारों में माताओं-बहनों के लिए पिंक टॉयलेट्स का निर्माण तथा युवाओं के लिए स्किल सेंटर स्थापित कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का संकल्प लिया गया है।

पारदर्शी एवं जवाबदेह नगर प्रशासन के लिए प्रबुद्ध नागरिकों की 'नगर विकास समिति' गठित करने का भी संकल्प है, जो शहर में होने वाले विकास कार्यों की निगरानी करेगी और उनकी प्रगति पर सीधी नजर रखेगी।

श्री साहू ने कहा कि यह चुनाव केवल नगर निगम के प्रतिनिधियों को चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अनंतपुरम की आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को संवारने का महत्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए मेयर प्रत्याशी के. अजेश बाबू एवं एनडीए गठबंधन के सभी कॉर्पोरेटर प्रत्याशियों को कमल के फूल का बटन दबाकर प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने दोहराया कि अनंतपुरम को आधुनिक, स्वच्छ, सुंदर एवं समृद्ध शहर बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता रहेगी।



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। डिंडोरी के सतनामी समाज के प्रमुख सदस्य एवं युवा लोरमी जनपद उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू के अगुवाई में लोरमी विधानसभा के ऊर्जावान एवं विकास पुरुष विधायक एवं छत्तीसगढ़ के शासन में उपमुख्यमंत्री अरुण साव से सौजन्य मुलाकात किए इस दौरान डिप्टी सीएम श्री साव के स्वास्थ्य के विषय में चर्चा किए एवं अतिशीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना किए इस दौरान सभी कार्यकर्ता नया रायपुर उपमुख्यमंत्री निवास पहुंच कर खुश एवं प्रसन्न हुए, साथ ही भारतीय जनता पार्टी के रीति और नीति से प्रेरित हुए इस दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू, बुधवा राम भास्कर, मानिक राम भाकर, राम कुमार डिण्डोरे, अमृत जागडे, पुनेश्वर वंजारा, संजय बंगारा, श्याम भास्कर,राजेश चेलक, नारायण भाकर, परदेशी बंजारा सहित आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मुंगेली (छ.ग.)

ईमेल eemun-phe-cg@nic.in Ph. 07755-205475

ई-प्रोक्योरमेंट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र. 18/ले.शा./ का.अभि./ लो.स्वा.या. खण्ड/2026-27 **मुंगेली, दिनांक 28.10.2026**

ऑनलाईन निविदाएँ प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का विवरण :- जिला मुंगेली के विकासखण्ड लोरमी में ग्राम बोड़तरा में लघु निर्माण कार्य ।

स. क.	निविदा सूचना क्र. / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	18 / 28.10.2026	202890	विकासखण्ड लोरमी के ग्राम बोड़तरा में बोड़तरा– पथर्रा– राम्हेपुर –डिंडौरी मुख्य मार्ग चौड़ीकरण के कारण पाईप लाईन विस्थापन एवं 64 नग एफ.एच.टी.सी. लघु निर्माण एवं अन्य लघु निर्माण कार्य।	23.14

बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 17.11.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in/ में दिनांक 28.10.2026 से देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
(लो.स्वा.यां. खण्ड, मुंगेली (छ.ग.)

जी- 262704306/1

अभिषेक शर्मा 40 रन बनाते ही रचेंगे इतिहास टूट जाएगा सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का चौथा मैच 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा शानदार बल्लेबाजी करके दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। सबसे पहले, वह साल 2026 में सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं, जिसके लिए उन्हें सिर्फ 35 रन की जरूरत है और वह अपने ही साथी ईशान किशन को पीछे छोड़ देंगे। इसके अलावा, वह एक साल में भारत के लिए सबसे ज्यादा T20I रन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव (SKY) का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 40 रन बनाने होंगे।

भारत के लिए एक साल में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल सूर्यकुमार यादव (SKY) के नाम है, जिन्होंने साल 2022 में 31 मैचों में कुल 1164 रन बनाए थे। अब विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बहुत करीब पहुंच गए हैं। साल 2026 में अब तक 37 टी20 मैचों में 1125 रन बना चुके अभिषेक को सूर्यकुमार यादव का यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में होने वाले मैच में केवल 40 रन और बनाने की जरूरत है। इस मैच में अभिषेक 40 रन बनाते ही सूर्यकुमार यादव के इस रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

अभिषेक शर्मा इस वक्त शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में तूफानी पारी खेली थी। उस मैच में उन्होंने 38 गेंदों में 297.37 के स्ट्राइक रेट से 113 रन बनाए थे।

इस दौरान वह 9 चौके और 11 छक्के लगाने में कामयाब रहे थे। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने भी 19 गेंदों में 45 रनों की तेज पारी खेली थी। ऐसे में अभिषेक आज के मैच में भी इसी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऑकलैंड में होने वाला यह चौथा टी20 मैच अभिषेक शर्मा के लिए बहुत खास रहने वाला है। अब यह देखना मजेदार होगा कि वह इस मैच में ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के बड़े रिकॉर्ड तोड़ पाते हैं या नहीं।

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 के लिए किया नए कोचिंग स्टाफ का ऐलान, रॉबिन उथप्पा-टी दिलीप की हुई एंट्री





नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2027 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपने नए कोचिंग स्टाफ का ऐलान कर दिया है। 2026 के सीजन के बाद टीम ने अपने पुराने स्टाफ को हटाकर वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड को नया हेड कोच नियुक्त किया है। पोलार्ड की इस नई टीम में पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा सहित कई जाने-माने चेहरे शामिल हैं, जो पहले भी इस टीम के साथ काम कर चुके हैं। अगले आईपीएल सीजन के लिए मुंबई की फ्रेंचाइजी ने रॉबिन उथप्पा, टी दिलीप को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

IPL 2027 के लिए मुंबई इंडियंस ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच, भारत के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप को फील्डिंग कोच और धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। इन सभी को टीम के खेलने के तरीके की अच्छी समझ है और ये सभी खिलाड़ियों को निखारकर टीम को फिर से चैंपियन बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हेड कोच पोलार्ड को जो कोचिंग स्टाफ आईपीएल के अगले सीजन के लिए मिला है। उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने का काफी अनुभव है।

उथप्पा और मैक्लेनघन के पास है इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने का अनुभव

मुंबई इंडियंस के इस नए कोचिंग स्टाफ के पास काफी अच्छा अनुभव है। रॉबिन उथप्पा साल 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं, जबकि मिचेल मैक्लेनघन लंबे समय तक न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके हैं। धवल कुलकर्णी के पास भी इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का अनुभव है और टी. दिलीप एक प्रोफेशनल कोचिंग सेटअप से आते हैं। पोलार्ड की अगुवाई में इस पूरी टीम का मुख्य मकसद खिलाड़ियों के खेल को निखारना और टीम का प्रदर्शन बेहतर करना है। इन सबके सामने सबसे बड़ी चुनौती मुंबई इंडियंस को फिर से चैंपियन बनाने की होगी, क्योंकि टीम ने 2020 के बाद से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है।

डकेट ने बिना छक्का लगाए खेली 167 रनों की पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम अभी पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जा रही वनडे ट्राई सीरीज में हिस्सा ले रही है, जिसमें वह फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है। इस ट्राई सीरीज में इंग्लैंड का उनके आखिरी मुकाबले में सामना लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में श्रीलंकाई टीम से हो रहा है जिसमें उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर्स में 5 विकेट के नुकसान पर 386 रनों का स्कोर बनाया है, जिसमें उनके ओपनिंग बल्लेबाज बेन डकेट का बल्ले से कमाल देखने को मिला जिन्होंने सीरीज में अपना दूसरा शतक लगाने के साथ एक ऐसे खास क्लब में अपनी जगह बना ली जिसमें सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा का नाम भी शामिल है। श्रीलंका की टीम ने इस मुकाबले में टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया जिसके बाद बेन डकेट ने एक छोर से पारी को संभालने के साथ 167 रनों की पारी खेलने में कामयाब रहे, जिसके लिए उन्होंने 132 गेंदों का सामना किया और 24 चौके लगाए। बेन डकेट अपनी इस पारी में एक भी छक्का लगाने में कामयाब नहीं हो सके और यह उनका वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक रनों की भी पारी है। डकेट अब वनडे इतिहास में सिर्फ 7वें ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी मुकाबले में 150 या फिर उससे अधिक रन बनाने में तो कामयाब रहे लेकिन एक भी छक्का नहीं लगा सके। इस लिस्ट में डेविड वॉर्नर का नाम पहले नंबर पर है जिन्होंने साल 2016 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपनी 173 रनों की पारी के दौरान एक भी छक्का नहीं लगाया था। सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा भी इस क्लब का हिस्सा हैं।

बेन डकेट के पास था ब्रूक का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

बेन डकेट का वनडे सीरीज में बल्ले से काफी शानदार फॉर्म देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने 4 मुकाबलों में खेलते हुए 86.50 के औसत से कुल 346 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 2 शतकीय पारी भी देखने को मिली। वहीं डकेट के पास श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में अपने कप्तान हैरी ब्रूक का रिकॉर्ड तोड़ने का भी शानदार मौका था, जिसके लिए उनको 203 रनों की पारी खेलनी होती लेकिन तेज से रन बनाने के चक्कर में वह पारी के 41.4 ओवर्स में अपना विकेट गंवा बैठे।

116 रन, 12 छक्के और बन गया वर्ल्ड रिकॉर्ड!



नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच पहला टी20 मैच शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस हाई स्कोरिंग मैच में अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 19 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। अफगानिस्तान की इस जीत में सबसे अहम भूमिका टीम के स्टार ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने निभाई। उन्होंने पहले बल्ले से शानदार शतक लगाया। उसके बाद गेंदबाजी में भी एक विकेट हासिल किया। इस शतकीय पारी के दौरान ओमरजाई ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इस मैच में अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

अजमतुल्लाह उमरजई ने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए कमाल कर दिया। जब अफगानिस्तान की टीम सिर्फ 5 रन पर अपने 4 विकेट गंवाकर बहुत मुश्किल में थी, तब उमरजई मैदान पर आए और उन्होंने सिर्फ 50 गेंदों में ताबड़तोड़ 116 रन बना डाले। उनकी इस तूफानी पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में ही अपना शतक पूरा कर लिया, जिससे उनकी टीम 221 रन बनाने में कामयाब रही।

अजमतुल्लाह उमरजई फुल मेंबर टीमों के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल मैच में छठे या उससे नीचे के नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक लगाया है।

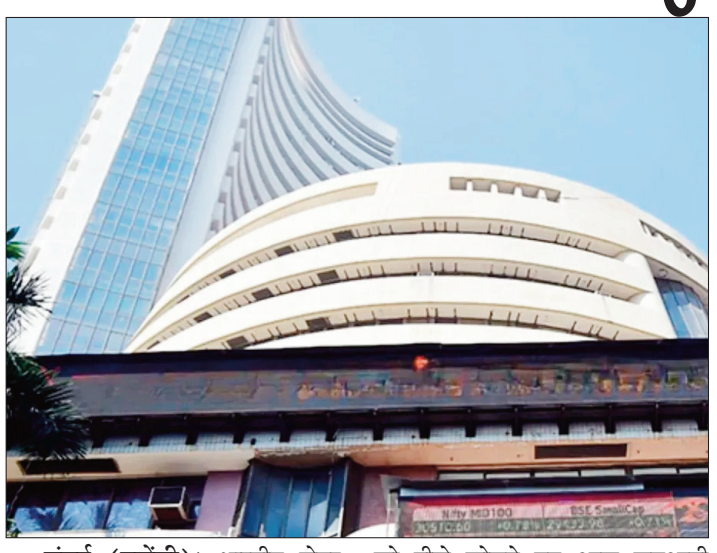
उनसे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स के नाम था, जिन्होंने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बैस्टेयर के वार्नर पार्क मैदान पर 87 रनों की पारी खेली थी। उमरजई टी20 इंटरनेशनल में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने वाले दुनिया के कुल पांचवें खिलाड़ी हैं।

अजमतुल्लाह उमरजई फुल-मेंबर टीम के इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल मैच में छठे या उससे नीचे के नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एक पारी में 10 या उससे ज्यादा छक्के जड़े हैं।

उनसे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड के नाम था। बाद में पोलार्ड की बराबरी साउथ अफ्रीका के युवा खिलाड़ी ट्रिस्टन स्टब्स और श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने की थी। इन तीनों ने छठे या उससे नीचे के नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एक पारी में 8 छक्के लगाए थे।

व्यापार

शेयर बाजार की हरे निशान में शुरुआत, सेंसेक्स-निफ्टी में तेजी से निवेशकों को राहत



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार ने को बढ़त के साथ सकारात्मक शुरुआत की है। पिछले सत्रों की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए आज शुरुआती कारोबार में घरेलू सूचकांक हरे निशान में नजर आए, जिससे निवेशकों ने काफी हद तक राहत की सांस ली है। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 71.45 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,222.49 के स्तर पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 22.15 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की बढ़त लेते हुए 22,958.90 के महत्वपूर्ण स्तर के पार कारोबार करता देखा गया।

शुरुआती घंटों में बाजार में खरीदारी का रुझान सभी शेयरों में देखने को नहीं मिला और शुरुआती कारोबार में बढ़ने वाले शेयरों के मुकाबले गिरने वाले शेयरों की संख्या ज्यादा रही। जहां 1,086 शेयरों में खरीदारी और 1,221 शेयरों में बिकवाली दर्ज की गई, जबकि 171 शेयर स्थिर बने रहे।

आईटी और फार्मा सेक्टर में चमक

आज के शुरुआती सत्र में सेक्टोरल इंडेक्स का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, जिसमें टेक्नोलॉजी और हेल्थकेयर शेयरों ने बाजार को थामे रखा। आईटी शेयरों में मजबूत लिवाली के चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.28% की छलांग लगाकर 32,275.00 के स्तर पर पहुंच गया।

फार्मा सेक्टर्स में भी 0.98% की अच्छी बढ़त दर्ज की गई। वहीं, निफ्टी हेल्थकेयर (+0.84%) और मिडस्मॉल हेल्थकेयर (+0.48%) हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (-1.79%), निफ्टी मेटल (-0.81%), निफ्टी मीडिया (-0.79%), निफ्टी एफएमसीजी (-0.69%) और निफ्टी ऑटो (-0.52%) में बिकवाली का दबाव देखा गया।

ट्रेंट और इंफोसिस के शेयरों में जोरदार तेजी

निफ्टी 50 के शेयरों में आज चुनिंदा दिग्गज कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे बाजार को मजबूती मिली। ट्रेंट 5.25% की जबरदस्त तेजी के साथ ₹3,011.80 पर पहुंचकर आज का टॉप गेनर बना। इसके साथ ही इंफोसिस (+1.31%), एचसीएल टेक (+0.92%), टेक महिंद्रा (+0.90%) और टीसीएस (+0.96%) भी प्रमुख रूप से हरे निशान में चमके। इसके अलावा सन फार्मा (+1.87%) और इंडिगो (+1.47%) में भी अच्छी लिवाली देखी गई। दूसरी तरफ, बिकवाली के दबाव में रहने वाले प्रमुख शेयरों में कोल इंडिया (-1.28%), श्रीराम फाइनेंस (-1.12%), टाटा स्टील (-1.12%), अल्ट्राटेक सीमेंट (-1.06%) और अदाणी एंटरप्राइजेस (-0.69%) शामिल रहे। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स (-0.79%) में भी कमजोरी दर्ज की गई।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी का शेयर करीब 7% उछला

मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार में शुक्रवार को टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर करीब 7 फीसदी तक उछल गए। इस तेजी के चलते कंपनी के मार्केट कैप में एक ही दिन में करीब 9,089 करोड़ का इजाफा हो गया। दरअसल, कंपनी ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिसमें उसका मुनाफा सालाना आधार पर 25 फीसदी बढ़ा है। बेहतर नतीजों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और शेयरों में खरीदारी देखने को मिली।

शुक्रवार को कारोबार के दौरान ट्रेंट का शेयर BSE पर 6.73 फीसदी उछलकर 3,059 पर पहुंच गया। वहीं, NSE पर इसमें 6.92 फीसदी की तेजी आई और यह 3,060 के स्तर पर कारोबार करने लगा। शेयरों में इस तेजी के कारण कंपनी का मार्केट कैप 9,088.92 करोड़ बढ़कर 1,61,769.32 करोड़ हो गया। यानी कंपनी की बाजार वैल्यू में एक ही कारोबारी सत्र के शुरुआती कारोबार में बड़ा इजाफा हुआ।

ट्रेंट ने गुरुवार को सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। कंपनी के मुताबिक, जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही में उसका कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 25 फीसदी बढ़कर 468 करोड़ हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा इससे कम था। कंपनी की ऑपरेशनल परफॉर्मेंस में भी मजबूती देखने को मिली। सितंबर तिमाही में ऑपरेशंस से होने वाला रेवेन्यू 22 फीसदी बढ़कर 5,873 करोड़ पहुंच गया। वहीं, ऑपरेटिंग EBITDA में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 785 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर के दौरान ट्रेंट का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 20 फीसदी बढ़कर 11,628 करोड़ रहा। इस अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 24 फीसदी बढ़कर 986 करोड़ हो गया। वहीं, ऑपरेटिंग EBITDA 35 फीसदी की बढ़त के साथ स्टैंडअलोन आधार पर सितंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 23 फीसदी बढ़कर 5,788 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग EBITDA 37 फीसदी बढ़कर 791 करोड़ पहुंच गया। हालांकि, स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 490 करोड़ रहा।

उबर Cab में होगी वीडियो रिकॉर्डिंग, दिल्ली से मेरठ और आगरा तक के लिए भी मिलेंगी बाइक टैक्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राइड-हेलिंग सर्विस देने वाली कंपनी उबर ने यात्रियों के साथ विवादों के निपटान के लिए ड्राइवरों को ट्रिप की वीडियो रिकॉर्ड करने की सुविधा दी है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने करीब 20 लाख ड्राइवर पार्टनर के लिए ज्यादा कमाई के विकल्प भी जोड़े हैं। कंपनी के एक सीनियर अधिकारी ने गुरुवार को ये जानकारी दी।

उबर इंडिया और दक्षिण एशिया में सप्लाई ऑपरेशन्स के डायरेक्टर आदित्य कपूर ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां, कंपनी से संपर्क कर इन वीडियो को प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा, "सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमने ड्राइवरों के लिए 'रिकॉर्ड माय राइड' सुविधा शुरू की है। इन रिकॉर्डिंग तक उबर, ड्राइवर और यात्री, किसी की पहुंच नहीं होगी।" उन्होंने कहा कि अगर किसी घटना के बाद स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसी को रिकॉर्डिंग की कॉपी चाहिए, तो वे कंपनी को लिखकर इसे प्राप्त कर सकती हैं। इसका उद्देश्य ड्राइवरों का भरोसा बढ़ाना है, ताकि ट्रिप के दौरान कोई घटना होने पर जांच एजेंसियों को निष्पक्ष जानकारी मिल सके।

कंपनी के मुताबिक, यात्रियों को उबर ऐप में वीडियो रिकॉर्डिंग का ऑप्शन चुनने की सुविधा मिलेगी। सुरक्षा से जुड़े इस अपडेट के तहत ड्राइवर अनुचित संदेशों की शिकायत कर सकेंगे और बिना किसी जुर्माने के ट्रिप को कैंसिल कर सकेंगे। उन्हें इमरजेंसी एम्बुलेंस सर्विस तक पहुंच की सुविधा भी मिलेगी।

उबर ने अपने ड्राइवरों की कमाई बढ़ाने के लिए भी कई विकल्प भी जोड़े हैं। इनमें एक से दूसरे शहरों की यात्राओं के लिए उबर बाइक सर्विस का विस्तार, कमर्शियल और प्राइवेट पार्सल की डिलीवरी से ज्यादा कमाई तथा कैब में पालतू जानवरों को ले जाने की अनुमति देने पर ज्यादा पैसे कमाने के विकल्प शामिल हैं।

आदित्य कपूर ने कहा, "हमने ड्राइवरों के लिए प्लेटफॉर्म को आसान और ज्यादा सुरक्षित बनाया है। इसके साथ ही, उन्हें ज्यादा कमाई के मौके भी दिए जा रहे हैं। कमाई की सुविधा को आसान बनाने के लिए हमने 'अर्न फर्स्ट, पे लेटर' की शुरुआत की है। ये पास पहले से बाजार में उपलब्ध हैं। हमने ड्राइवर ऐप को भी आसान बनाने के लिए उसमें बदलाव किए हैं।"

दिल्ली से मेरठ या आगरा तक के लिए मिलेगी बाइक टैक्सी

उन्होंने कहा कि शहरों के बीच उबर बाइक सर्विस फिलहाल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य दिल्ली से मेरठ या आगरा जैसे शहरों के बीच यात्रा करने वाले लोगों को बाइक से सफर करने का ऑप्शन देना है। कपूर ने कहा कि इससे ड्राइवरों और यात्रियों, दोनों को फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी की ज्यादातर नई सर्विस फिलहाल चुनिंदा क्षेत्रों में उपलब्ध हैं और जल्द ही इन्हें पूरे देश में शुरू किया जाएगा।

PNB ने ग्रेटर नोएडा ब्रांच में गड़बड़ी की जांच तेज की, ग्राहकों के 43 लाख लौटाए; बाकी दावों के निपटारे का भी दिया भरोसा



मुंबई (एजेंसी)। बैंक में सालों की मेहनत से जमा की गई कमाई सुरक्षित रहे, यह हर ग्राहक की सबसे बड़ी उम्मीद होती है। लेकिन जब बैंक खाते या फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में जमा रकम को लेकर गड़बड़ी की शिकायत सामने आए, तो ग्राहकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ग्रेटर नोएडा स्थित पंजाब नेशनल बैंक (PNB) की एक शाखा में कुछ ग्राहकों के FD और बचत खातों से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आने के बाद बैंक ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। PNB ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि शिकायतों की जांच प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। बैंक ने यह भी जानकारी दी है कि अब तक तीन दावों के तहत ₹43 लाख का भुगतान किया जा चुका है।

पंजाब नेशनल बैंक ने अपने बयान में कहा कि ग्रेटर नोएडा शाखा में कुछ ग्राहकों के सावधि जमा (FD) और बचत बैंक (SB) खातों से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है।

बैंक इस मामले की प्राथमिकता के आधार पर जांच कर रहा है। PNB के मुताबिक, जांच के दौरान संबंधित अधिकारियों को पूरा सहयोग दिया जा रहा है। बैंक का कहना है कि शिकायतों में सामने आई गड़बड़ियों के तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि अनियमितताओं का दायरा कितना बड़ा है और किन ग्राहकों पर इसका असर पड़ा है।

बैंक ने अपने बयान में बताया कि अब तक ₹43 लाख की राशि से जुड़े तीन दावों का निपटारा किया जा चुका है। यानी संबंधित ग्राहकों को इस रकम का भुगतान किया गया है। हालांकि, बैंक ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि कुल कितने ग्राहकों ने शिकायत दर्ज कराई है और कुल कितनी रकम के दावे लंबित हैं।PNB ने ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि जांच में सही और वैध पाए जाने वाले सभी दावों का भुगतान किया जाएगा। बैंक के इस बयान से उन ग्राहकों को राहत मिल सकती है, जो अपनी जमा रकम को लेकर जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

PNB ने कहा है कि बैंक धोखाधड़ी, वित्तीय अनियमितताओं और गलत कामों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। जांच में जो भी व्यक्ति जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ लागू नियमों और प्रक्रियाओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

TVS बढ़ाएगा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर का उत्पादन, अब हर महीने 80,000 स्कूटर बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की प्रमुख टू-व्हीलर कंपनी टीवीएस मोटर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) के. एन. राधाकृष्णन ने कहा है कि कंपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर की मजबूत मांग को पूरा करने के लिए मार्च 2027 के अंत तक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाकर 80,000 यूनिट प्रति माह करने की योजना बना रही है। के. एन. राधाकृष्णन ने कंपनी के निवेशकों से कहा, "हम अपनी क्षमता भी बढ़ा रहे हैं। अभी हम लगभग 60,000-65,000 यूनिट्स की क्षमता पर काम कर रहे हैं। हमने इसे अगले स्तर पर ले जाते हुए लगभग 80,000 यूनिट्स करने की योजना बनाई है।" बताते चलें कि टू-व्हीलर मार्केट में इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटरों की हिस्सेदारी लगातार तेजी से बढ़ रही है। कुल टू-व्हीलर मार्केट में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की लगभग 11-12 प्रतिशत है, जबकि स्कूटर सेगमेंट में इसकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से ज्यादा हो गई है।

दूसरी तिमाही में वेदांता एल्युमीनियम का शानदार प्रदर्शन लाभ का आँकड़ा दोगुना होकर 6,187 करोड़ रुपए हुआ

एबिट्डा में बीते वर्ष की समीक्षाधीन अवधि के मुकाबले 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादक वेदांता एल्युमीनियम मेटल लिमिटेड (BSE: 544780 & NSE: VAML) ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त हुई तिमाही और छमाही के लिए अपने अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम (अनऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स) घोषित कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी ने ठोस वित्तीय नतीजे दर्ज किए और रिकॉर्ड प्रचालन प्रदर्शन किया है। ये परिणाम कंपनी के अब तक के उच्चतम उत्पादन स्तर, बढ़ी हुई लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और रणनीतिक एकीकरण पहलों में हुई निरंतर प्रगति पर आधारित हैं।

रेवेन्यू बढ़कर 22,066 करोड़ रुपए हो गया, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि से 41 प्रतिशत अधिक है, जिसे ज्यादा वॉल्यूम और बेहतर मार्केटिंग से सहयोग मिला। एबिट्डा 10,192 करोड़ रुपए रहा, जो बीते वर्ष की समीक्षाधीन तिमाही से 83 प्रतिशत अधिक है, और एबिट्डा मार्जिन 46 प्रतिशत के करीब रहा। कर पश्चात लाभ 6,187 करोड़ रुपए रहा, जो बीते साल के मुकाबले 105 प्रतिशत बढ़कर दोगुने से भी ज्यादा दर्ज किया गया है।

वेदांता एल्युमीनियम (वीएएमएल) ने तिमाही के दौरान अपनी बैलेंस शीट को और मज़बूत किया, जिससे शुद्ध कर्ज़ बीती तिमाही 3,090 करोड़ रुपए कम हुआ, और शुद्ध कर्ज़ / एबिट्डा वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के 0.9 गुना से सुधर कर 0.7 गुना हो गया। कंपनी की मज़बूत क्रेडिट प्रोफाइल को इंडिया रेटिंग्स द्वारा इसकी क्रेडिट रेटिंग को एए+ (स्टेबल) में अपग्रेड करने और आईसीआरए और क्रिसिल से रेटिंग की पुनः पुष्टि से और मजबूती मिली है।



प्रचालन के हिसाब से, वेदांता एल्युमीनियम ने तिमाही एल्युमीनियम उत्पादन में अब तक का सबसे ज्यादा 649 केटी का रिकॉर्ड बनाया, जो तिमाही-दर-तिमाही में 3 प्रतिशत और साल-दर-साल में 5 प्रतिशत अधिक है। वैल्यू-एडेड प्रोडक्शन रिकॉर्ड 432 केटी पर पहुँच गया, जो पिछले वर्ष से 31 प्रतिशत ज्यादा है, जबकि एल्यूमिना उत्पादन 895 केटी के नई तिमाही ऊँचाई पर पहुँच गया, जो वर्ष-दर-वर्ष में 37 प्रतिशत ज्यादा है।

अपनी एकीकरण रणनीति (इंटीग्रेशन स्ट्रैटेजी) को आगे बढ़ाते हुए, वेदांता एल्युमीनियम दुनिया के सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और पूरी तरह से इंटीग्रेटेड एल्युमीनियम बिज़नेस में से एक का निर्माण जारी रखे हुए है। यह वैल्यू चेन में क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अपनी संसाधन सुरक्षा को भी मज़बूत कर रही है। इस तिमाही के दौरान, 435 केटीपीए बाल्को विस्तार का दूसरा ज़ोन चालू हो गया और सिजिमाली बॉक्साइट ब्लॉक के लिए 'कन्सेंट टू ऑपरेट' (सीटीओ) मिल गई। ये उपलब्धि कंपनी की क्षमता बढ़ाने और संसाधन-सुरक्षा की कोशिशों में लगातार हो रही प्रगति को दर्शात हैं।

कंपनी के दूसरी तिमाही के प्रदर्शन पर वेदांता एल्युमीनियम के पूर्ण-कालिक निदेशक एवं सीईओ राजेश कुमार ने कहा, ''इस तिमाही में हमारा प्रदर्शन वेदांता एल्युमीनियम को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, इंटीग्रेटेड एल्युमीनियम बिज़नेस में बदलने की लगातार रफ्तार को दिखाता है। हमने अपनी वृद्धि और इंटीग्रेशन की कोशिशों में अच्छी तरक्की करते हुए रिकॉर्ड एल्युमीनियम और एल्यूमिना उत्पादन हासिल किया। बाल्को के विस्तार के दूसरे ज़ोन का ऑपरेशनलाइज़ेशन, साथ ही हमारे बॉक्साइट रिसोर्स को सुरक्षित करने की प्रगति, हमारी इंटीग्रेटेड वैल्यू चेन की मज़बूत नींव को और पुख्ता करती है। जैसे-जैसे हम अपने प्रचालन को बढ़ा रहे हैं, हमारा ध्यान अनुशासित निष्पादन, लागत प्रतिस्पर्धा और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स के बढ़ते पोर्टफोलियो पर बना हुआ है, जिससे हम अपने स्टेकहोल्डर्स के लिए सतत मूल्य बना सकें और एल्युमीनियम की बढ़ती माँग को पूरा कर सकें।''

वेदांता एल्युमीनियम के सीएफओ, अनूप अग्रवाल ने कहा, ''हमने दूसरी तिमाही में अपनी कमाई की गति बनाए रखी, जिसमें 22,066 करोड़ रुपए का रेवेन्यू, 10,192 करोड़ रुपए का एबिट्डा और 6,187 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ रहा। खास बात यह है कि अनुशासित कैश जेनरेशन और पूँजी प्रबंधन की वजह से हम तिमाही के दौरान शुद्ध कर्ज 3,090 करोड़ रुपए कम कर पाए, जिससे शुद्ध कर्ज़ / एबिट्डा 0.7 गुना हो गया। रेटिंग अपग्रेड और रीअफर्मेशन से हमारी वित्तीय प्रोफाइल और मज़बूत हुई है। एक मजबूत बैलेंस शीट और हमारी वृद्धि व एकीकरण परियोजनाओं में लगातार प्रगति के साथ, हम वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी रणनीतिक प्राथमिकता को फंड करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।''

रेवेन्यू

व ज्यादा वॉल्यूम और बेहतर मार्केटिंग मिक्स की वजह से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 22,066 करोड़ रुपए रहा, जो तिमाही-दर-तिमाही में 5 प्रतिशत और साल-दर-साल में 41 प्रतिशत ज्यादा है।

एबिट्डा

o एबिट्डा तिमाही-दर-तिमाही में 3 प्रतिशत और वर्ष-दर-वर्ष में 83 प्रतिशत बढ़कर 10,192 करोड़ रुपए हो गया, जो ज्यादा वॉल्यूम और मार्केटिंग की वजह से हुआ। इसे अच्छे फॉरेक्स मूवमेंट से सपोर्ट मिला और एलएमई में लगातार गिरावट से इसकी भरपाई हुई।

डेप्रिसिएशन और अमॉर्टाइजेशन

o डेप्रिसिएशन और अमॉर्टाइजेशन 802 करोड़ रुपए पर, 4 प्रतिशत तिमाही-दर-तिमाही और 15 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष ऊपर, एसेट कैपिटलाइजेशन के अनुरूप

वित्तीय लागत

o वित्तीय लागत 911 करोड़ रुपए रही, जो तिमाही-दर-तिमाही से 9 प्रतिशत और वर्ष-दर-वर्ष से 4 प्रतिशत कम है, क्योंकि औसत उधार कम है

टैक्स के बाद मुनाफा

o कर पश्चात लाभ 6,187 करोड़ रुपए रहा, जो तिमाही-दर-तिमाही में 6 प्रतिशत कम और साल-दर-साल में 105 प्रतिशत अधिक है, जो एबिट्डा परफॉर्मेंस को दिखाता है

ईसीजी

वेदांता एल्युमीनियम ने वि.व. 2027 की दूसरी तिमाही में अपने सस्टेनेबिलिटी एजेंडा को आगे बढ़ाया, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी की खपत वि.व.26 दूसरी तिमाही के 312 मेगा वाट से बढ़कर 415 मेगा वाट हो गई, जिससे रिन्यूएबल एनर्जी का हिस्सा 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया। ग्रीन हाउस गैसों की इंटेंसिटी वि.व. 27 की पहली तिमाही के 16.54 से बढ़कर 16.42 हो गई, जबकि ऑपरेशनल स्मेल्टर्स ने 1.06 की वॉटर पॉजिटिविटी हासिल की।

इस तिमाही में वॉटर स्टीवर्डशिप और सर्कुलर इकॉनमी इनिशिएटिव्स में भी लगातार प्रोग्रेस देखी गई, जिससे कम कार्बन, रिसोर्स-एफिशिएंट ऑपरेशन्स की ओर यात्रा को मजबूती मिली।

पुरस्कार और सम्मान

सस्टेनेबिलिटी और सीएसआर

o बाल्को को ऊर्जा संरक्षण में उत्कृष्टता के लिए क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया द्वारा तीसरी कन्वेंशन ऑन एनर्जी कंज़र्वेशन, 2026 में राष्ट्रीय सम्मान मिला

o वेदांता एल्युमीनियम, झारसुगुड़ा को सीआईआई एनर्जी एफिशिएंसी समिट 2026 में सम्मान मिला

o वेदांता एल्युमीनियम, लांजीगढ़ को 12वें ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवॉर्ड्स 2026 में उसके वाटरशेड और लाइवलीहुड इनिशिएटिव 'प्रोजेक्ट संगम' के लिए गोल्ड अवॉर्ड मिला

सुरक्षा और कारोबारी उत्कृष्टता

o वेदांता एल्युमीनियम, झारसुगुड़ा को टीपीपी, सीपीपी, और स्मेल्टर यूनिट्स के लिए ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल फाइव-स्टार ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी ऑडिट अवॉर्ड मिला।

o वेदांता एल्युमीनियम, लांजीगढ़ को 8वें आईसीसी नेशनल ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवॉर्ड्स 2026 में गोल्ड अवॉर्ड मिला।

o बाल्को ने सीआईआई नेशनल 3एम कॉम्पिटिशन में अपने शानदार सुधार के कामों के लिए प्लेटिनम अवॉर्ड हासिल किया।

सेवानिवृत्त सात शासकीय सेवकों को कलेक्टर ने किया सम्मानित



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने आज कलेक्टरेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में अधिवर्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सात शासकीय सेवकों को सम्मानित किया। उन्होंने सभी का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया तथा शॉल, श्रीफल एवं पीपीओ-जीपीओ प्रमाण पत्र प्रदान किए। कलेक्टर ने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को जीवन की नई पारी के लिए बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की। उन्होंने सेवाकाल के अनुभवों का लाभ समाज एवं परिवार को देने तथा संयमित दिनचर्या अपनाते हुए सक्रिय जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में स्वास्थ्य विभाग गौरेला की आरएचओ सुशीला रजक, लोक निर्माण विभाग गौरेला के स्थल सहायक बद्री प्रसाद शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय गौरेला अंतर्गत प्रधान पाठक शंखराम राठौर एवं गोपाल प्रसाद कौशिक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निमधा के व्याख्याता लखनलाल राजवाड़े, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरकारीपारा के व्याख्याता जमुना प्रसाद केंवर्त तथा कन्या विद्यालय मरवाही की प्राचार्य प्रीति श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी, जिला कोषालय अधिकारी धनेंद्र सोनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

गौरेला में बीट गार्ड के साथ मारपीट और अभद्रता, वर्दी फाड़ने का वीडियो वायरल

आरोपी रुद्र माझी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, शासकीय कार्य में बाधा और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। मरवाही वनमंडल के अंतर्गत गौरेला वन परिक्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात वन विभाग के बीट गार्ड के साथ मारपीट, गाली-गलौज और अभद्रता का मामला सामने आया है। घटना के दौरान वनकर्मी की वर्दी फाड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेड़ कटाई की शिकायत की जांच करने पहुंचे थे बीट गार्ड

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौरेला वन परिक्षेत्र के अंधियारखोर बीट में पदस्थ बीट गार्ड सूर्यकांत रात्रे को दर्री निवासी रुद्र माझी द्वारा क्षेत्र में पेड़ एवं लकड़ी कटाई की सूचना दी गई थी। सूचना मिलने पर बीट गार्ड सूर्यकांत रात्रे मौके पर पहुंचकर मामले की जांच एवं तस्दीक करने लगे। जांच के दौरान उन्हें पता चला कि जिस भूमि पर पेड़ कटाई की शिकायत की जा रही थी, वह राजस्व विभाग की भूमि है। इस पर उन्होंने शिकायतकर्ता को संबंधित मामले में एसडीएम के समक्ष शिकायत करने की सलाह दी।

सलाह से नाराज होकर की मारपीट, फाड़ी वर्दी

बताया जा रहा है कि बीट गार्ड की इस सलाह से नाराज होकर रुद्र माझी ने उनके साथ



विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद हाथापाई और मारपीट में बदल गया। आरोप है कि आरोपी ने बीट गार्ड के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करते हुए उनकी वर्दी भी फाड़ दी। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, जांच जारी

घटना के बाद पीड़ित बीट गार्ड की शिकायत पर गौरेला थाने में आरोपी रुद्र माझी, निवासी दर्री, के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इस संबंध में गौरेला थाना प्रभारी सौरभ सिंह ने बताया कि अंधियारखोर क्षेत्र में बीट गार्ड सूर्यकांत रात्रे के साथ मारपीट की घटना हुई है। आरोपी के विरुद्ध गाली-गलौज, मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा, शासकीय सेवक पर हमला तथा एससी/एसटी एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

शासकीय ड्यूटी के दौरान वन विभाग के कर्मचारी के साथ हुई इस घटना ने मैदानी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। अब पुलिस जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना : जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



जांजगीर-चांपा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शिक्षा विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर एवं कार्यक्रम सखी वन स्टॉप सेंटर जांजगीर, के संयुक्त समन्वय से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' योजना अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय बहुउद्देशीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-02, जांजगीर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, करियर, कानूनी अधिकार एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें किसी भी प्रकार की हिंसा, साइबर अपराध एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध सजग एवं सक्षम बनाने के संबंध में जानकारी दी गई।

जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में घरेलू हिंसा एवं घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत महिलाओं के अधिकारों, कानूनी प्रावधानों तथा हिंसा की स्थिति में उपलब्ध सहायता एवं संरक्षण की जानकारी दी। करियर काउंसलिंग के माध्यम से बालिकाओं को भविष्य निर्माण एवं रोजगार के अवसरों से अवगत कराया। साथ ही सखी केंद्र में उपलब्ध आपातकालीन आश्रय, मनोवैज्ञानिक परामर्श, पुलिस, विधिक एवं चिकित्सकीय सहायता तथा रेस्क्यू सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिला एवं बालिका सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, जेंडर समानता, बाल विवाह, स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं तथा हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 112, 108, 102, 1076, 1091 एवं 1073 के उपयोग के बारे में भी जागरूक किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जांजगीर की पैरा लीगल वॉलंटियर श्रीमती मंजू देवांगन ने सुरक्षित बचपन अभियान, साइबर अपराध, बच्चों से संबंधित अपराधों एवं पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी नवा बिहान श्रीमती अनुपमा सिंह कंवर, केंद्र प्रशासक सुश्री एच. निशा खान, प्राचार्य गोविंद प्रसाद चौरसिया, श्रीमती सरस्वती सोनी, श्रीमती अंजली बंदे, डालेश्वर पटेल सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बेहतर चिकित्सा सुविधा और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करें : कलेक्टर



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में आज जिला चिकित्सालय के सभाकक्ष में जीवन दीप समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए जिला चिकित्सालय में बेहतर प्रबंधन एवं मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति के कार्यों में पारदर्शिता एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए गवर्निंग बॉडी का गठन कराने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुरक्षित प्रसव पर विशेष जोर देते हुए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला चिकित्सालय में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रसव के मामलों में उपलब्ध सुविधाओं के स्तर पर समुचित उपचार किया जाए, जिससे रेफर करने की स्थिति नहीं बने। गंभीर अवस्था में रेफर किए जाने वाले प्रकरणों की जानकारी प्रत्येक माह उन्हें उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में लॉन्ड्री मशीन की स्थापना के लिए स्थान चिन्हित करने तथा फायर एग्जिट के लिए रैम्प निर्माण कराने के लिए पूर्व में दिए गए निर्देश का पालन सुनिश्चित करने कहा गया। बैठक में ड्रेसिंग कार्य के लिए शुल्क निर्धारण, ईएनटी ऑडियोमेट्री कक्ष एवं टेक्नीशियन की भर्ती के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के समन्वय से ईएनटी ऑडियोमेट्री का कार्य कराने कहा। मरीजों को बेहतर शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जनरल सर्जन की पदस्थापना हेतु शासन को पत्र भेजने पर भी चर्चा हुई। बैठक में आभा आईडी में मरीजों का विवरण दर्ज करने, स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट की सुविधाओं, लैबोरेटरी जांच की स्थिति तथा मर्चुरी कक्ष में अलग से शव विच्छेदक की व्यवस्था सहित विभिन्न चिकित्सा व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने चिकित्सालय परिसर में नियमित साफ-सफाई एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सिविल सर्जन को मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ बेहतर समन्वय करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय परिसर में बनने जा रहे नया जिला चिकित्सालय भवन के ड्राइंग-डिजाइन का अवलोकन किया तथा संबंधित निर्माण ऐजेंसी को तत्काल लेआउट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. देवेंद्र पैकरा सहित लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सीएसपीडीसीएल एवं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारी तथा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

जिला पशु चिकित्सालय कोरबा में मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं

कोरबा। जिले में पशुधन के स्वास्थ्य और पशुपालकों की आजीविका को बेहतर बनाने की दिशा में एसईसीएल के कुसमुंडा क्षेत्र ने जिला पशु चिकित्सालय, कोरबा के सुदृढ़ीकरण के लिए 49.35 लाख रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। यह राशि कुसमुंडा क्षेत्र की सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत दी जाएगी। स्वीकृत सहायता से जिला पशु चिकित्सालय में बाउंड्रीवॉल निर्माण एवं अन्य संबद्ध सिविल कार्य कराए जाएंगे। साथ ही, जांच सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन और एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे पशुओं की बीमारियों की जांच और उपचार में सुविधा मिलेगी तथा पशुपालकों को लाभ होगा। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने जिला कलेक्टर को पत्र में बताया है कि सहायता की स्वीकृति सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त हो गई है। राशि जिला कलेक्टर, कोरबा के बैंक खाते में तीन किश्तों में जारी की जाएगी। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा है कि सीएसआर अंतर्गत प्राप्त राशि से जिले में अनेक विकास कार्य कराए गए हैं। प्राप्त राशि जिले में पशुधन के स्वास्थ्य और पशुपालकों की आजीविका को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए : मुख्य सचिव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज आम जनता की शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। निराकरण के पश्चात इसकी जानकारी सुशासन एवं अभिसरण विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।



निर्माण कार्यों में गति लाने पर जोर- बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए लोक निर्माण विभाग ने शासकीय भवनों, सड़कों और पुल-पुलियों के अधूरे निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूरा किया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के नल-जल योजनाओं और जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाई जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति विकास तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। नगरीय प्रशासन एवं परिवहन विभाग के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन के लिए एक सुव्यवस्थित परिवहन कार्ययोजना पर कार्य करने को कहा गया। बैठक के दौरान संस्कृति विभाग के अधिकारियों से राज्योत्सव की तैयारियों की भी विस्तृत जानकारी ली गई।

पारस पोर्टल और भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा- बैठक में पारस पोर्टल के अंतर्गत शामिल प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं, जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 योजना में बिना किसी विलंब के प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से होने वाली भर्ती प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने के लिए सभी संबंधित विभागों को अपनी आवश्यकताएं एवं प्रस्ताव शीघ्र भेजने को कहा गया।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, वित्त एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की सचिव सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव श्री राहुल भगत सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

15 नवंबर तक गिरदावरी कार्य पूरा करने के निर्देश

राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आगामी 15 नवंबर से पूर्व सभी फसलों की गिरदावरी का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा कर लिया जाए। इसकी जानकारी प्रत्येक ग्राम की ग्राम सभा में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी किसान के खेत की गिरदावरी छूट जाती है, तो वे ग्राम सभा में आवेदन देकर तत्काल इसे पूर्ण करवा सकते हैं।

बस्तर की 485 बसाहटों को मिलेगी बारहमासी सड़क, 804 करोड़ के प्रस्ताव केंद्र को भेजे

280 बसाहटों के लिए 263 सड़क कार्य प्रस्तावित, 373 पुलों के निर्माण पर भी विचार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

दीपावली से पहले बस्तर संभाग के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों को सड़क विकास की बड़ी सौगात मिली है। संभाग की 485 बसाहटों के सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं, 280 अन्य बसाहटों को बारहमासी सड़क से जोड़ने के लिए 263 सड़क कार्यों के प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्राप्त हुए हैं। इनकी कुल लंबाई 841.825 किलोमीटर और अनुमानित लागत 804.06 करोड़ रुपये है। इसके अलावा लगभग 474 अन्य बसाहटों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर की भौगोलिक परिस्थितियों और नक्सलवाद से मुक्त हुए गांवों की जरूरतों को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर विशेष छूट देने का आग्रह किया था। केंद्रीय मंत्री चौहान ने पत्र के माध्यम से सड़क और पुल निर्माण के प्रस्तावों तथा आगे की कार्यवाही की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार जताया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के पहले बैच में बस्तर संभाग की 234 बसाहटों के सड़क कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें बस्तर की 87, बीजापुर की 44, दंतेवाड़ा की 12, कांकेर की 41, कोंडागांव की 34 और सुकमा की 16 बसाहटें शामिल हैं। दूसरे बैच में सातों जिलों की 755 बसाहटों के लिए प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इनमें बस्तर 114, बीजापुर 125, दंतेवाड़ा 63, कांकेर 140, कोंडागांव 31, नारायणपुर 136 और सुकमा 146 बसाहटें शामिल हैं। इनके लिए ग्रामीण सड़क सर्वे ऐप से सर्वे किया जा रहा है। सड़क के साथ पुल निर्माण को भी गति देने की तैयारी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के पहले बैच के तहत 206 पुलों और पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत 167 पुलों के प्रस्तावों पर विचार के लिए अधिकार प्राप्त समिति की बैठक हो चुकी है। बस्तर के लिए 55 लंबे पुल प्रस्तावित हैं। नारायणपुर जिले में पीएम-जनमन के तहत 22 लंबे पुलों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं, जिनकी अनुमानित लागत 87.45 करोड़ रुपये है।



उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर के कई गांव कम आबादी और दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण सड़क योजना के निर्धारित मापदंडों में पात्र नहीं हो पाते। इसलिए उन्होंने 10 किलोमीटर की परिधि में स्थित छोटी बसाहटों को एक क्लस्टर मानकर सड़क स्वीकृति देने जैसी विशेष छूट मांगी है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में चार माह के लिए ग्राम सड़क सर्वेक्षण ऐप के माध्यम से सर्वे शुरू कराया है। प्राप्त तथ्यों और दिशा-निर्देशों के आधार पर मांग का परीक्षण किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि सड़क संपर्क से बच्चों की शिक्षा, मरीजों के उपचार, किसानों की उपज के परिवहन और ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में सुविधा होगी। केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से बस्तर के दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम आगे बढ़ेगा।

एनआईबीएसएम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त का सीधा प्रसारण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर में आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किसानों को दिखाया गया। गुजरात के बनासकांठा से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के किसानों के खातों में सम्मान निधि की राशि अंतरित की गई। प्रधानमंत्री के संबोधन एवं सीधे प्रसारण कार्यक्रम से पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के उद्देश्यों एवं किसानों के लिए इसके महत्व की जानकारी देते हुए भारत सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को उपलब्ध सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। बनासकांठा से अपने



संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को विकसित भारत का एक मजबूत स्तंभ बताते हुए कृषि एवं किसान कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि करोड़ों किसान परिवारों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से किसानों को मिलने वाली आर्थिक सहायता उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक है। इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने किसानों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने आगामी रबी मौसम को ध्यान में रखते हुए खेती की बेहतर योजना बनाने तथा फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने किसानों को पारंपरिक फसल पद्धति के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को शामिल करने, फसल प्रणाली में विविधता लाने तथा उपलब्ध कृषि संसाधनों का बेहतर उपयोग करने की सलाह दी। परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में आसपास के आठ गांवों से लगभग 270 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें 41 महिला एवं 229 पुरुष किसान शामिल थे। कार्यक्रम में ग्राम बिटिया, कुर्रा, पचरी, बरोदे, बुड़ेरा, बेलटुकरी, मधई, मुर्रा एवं भैंसा के किसानों ने सहभागिता की। इस अवसर पर ग्राम बेलटुकरी के सरपंच श्री संतोष कुर्रे, ग्राम कुर्रा के श्री भुवनेश्वर खूंटे तथा ग्राम बिटिया के श्री दुष्यंत साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसानों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। इस आयोजन ने किसानों तक केंद्र सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें वैज्ञानिक कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन डॉ. के. सी. शर्मा एवं डॉ. प्रियंका मीना द्वारा किया गया।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की पहल पर आरंग को 11.69 करोड़ रुपये की सड़क विकास की सौगात

रायपुर. आरंग विधानसभा क्षेत्र में सड़क सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधायक श्री गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से धमनी-कोटनी पलौद से नवागांव तक 15.50 किलोमीटर सड़क के नवीनीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा 11 करोड़ 69 लाख 9 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। सड़क के नवीनीकरण एवं डामरीकरण से धमनी, कोटनी पलौद, नवागांव सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों एवं व्यापारियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।



साथ ही क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी। इस स्वीकृति पर मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आरंग विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें ग्रामीण विकास और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

चिकित्सा महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'इम्पेटस-2026' में उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में वार्षिक उत्सव 'इम्पेटस-2026' का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की 63 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को समर्पित इस उत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्सव के अंतर्गत गीत-संगीत पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'यूफोरिया-2026' का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने संगीत की विभिन्न विधाओं में मनमोहक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बुधवार शाम महाविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव श्री विकासशील ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री रितेश अग्रवाल तथा महाविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. चंद्र कुमार शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे। चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने मुख्य अतिथि के समक्ष वार्षिक प्रतिवेदन 2025–2026 प्रस्तुत करते हुए कहा कि पंडित नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, मरीजों के उपचार और संस्थागत विकास के क्षेत्र में



उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) से एमबीबीएस (MBBS) की सीटें 230 से बढ़ाकर 250 करने की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके साथ ही सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में नई सीटों की मंजूरी, विदेशी चिकित्सा स्नातकों की इंटर्नशिप सीटों में 17 से बढ़ाकर 64 तक विस्तार तथा स्नातकोत्तर और एलाइड हेल्थ साइंस पाठ्यक्रमों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। प्रदेश के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को जोड़ने वाली टेली-शिक्षा व्यवस्था, टेलीरेडियोलॉजी नेटवर्क, संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण और राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं से प्रमाणन जैसी पहलें संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने में सहायक रही हैं। चिकित्सालय के विभिन्न विभागों ने लाखों मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हुए जटिल सर्जरी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कैंसर उपचार, नेत्र चिकित्सा, अस्थि रोग, आपातकालीन चिकित्सा और रक्त सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज कीं। अनुसंधान एवं निदान सुविधाओं के विस्तार के साथ 1.40 करोड़ रुपए के सिविल निर्माण कार्य, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीदी, केंद्रीय पुस्तकालय का नवीनीकरण, छात्रावास सुविधाओं में सुधार, स्मार्ट क्लासरूम, चिल्ड्रन पार्क और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया। ये उपलब्धियाँ संस्थान के समर्पित चिकित्सकों, शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों और छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग का परिणाम हैं।

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2% की बढ़ोतरी, नवंबर से मिलेगा बढ़ा हुआ DA, आदेश जारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ सरकार ने सातवें वेतनमान के तहत वेतन प्राप्त करने वाले शासकीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को लेकर आदेश जारी कर दिया है। वित्त विभाग मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार बढ़े हुए महंगाई भत्ते की राशि का भुगतान नवंबर 2026 से देय होगा। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारी के मूल वेतन के आधार पर की जाएगी। इसमें विशेष वेतन और व्यक्तिगत वेतन को शामिल नहीं किया जाएगा। साथ ही महंगाई भत्ते का कोई भी हिस्सा मूलभूत नियम 9 (21) के अंतर्गत वेतन नहीं माना जाएगा।

50 पैसे से अधिक राशि होगी पूर्णांकित

आदेश के मुताबिक, महंगाई भत्ते के भुगतान के दौरान यदि 50 पैसे या उससे अधिक की राशि होती है तो उसे अगले पूर्ण रुपये में शामिल किया जाएगा। वहीं, 50 पैसे से कम की राशि को छोड़ दिया जाएगा।

इन कर्मचारियों को भी मिलेगा लाभ

वित्त विभाग द्वारा जारी यह आदेश यूजीसी (UGC), एआईसीटीई (AICTE) के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर भी लागू होगा। हालांकि, आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते के तहत किया जाने वाला भुगतान संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

सार-बातें सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स को महंगाई भत्ता, एरियर्स सहित दीवाली से पहले प्रदान करे सरकार

रमन सिंह की एनएसजी सुरक्षा भी हटाई जायेगी क्या?

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने बस्तर सहित प्रदेश के जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को रिव्यू किया है। गृह मंत्री का दावा है कि नक्सली समाप्त हो गये है। अतः सुरक्षा की जरूरत नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को नक्सल प्रभावित राज्य का मुख्यमंत्री रहने के कारण एनएसजी सुरक्षा मिली है। वे ब्लैक कैट कमांडो से घिरे रहते है। उनको मुख्यमंत्री पद से हटे भी 8 साल से अधिक हो रहे है। यदि सभी की सुरक्षा नक्सल समाप्त होने के कारण हटाई जा रही तो क्या रमन सिंह की भी एनएसजी सुरक्षा हटाई जायेगी? उनको भी पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में मिलने वाली जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जाए। प्रदेश के अनेक नेताओं विशेषकर बस्तर के भाजपा नेताओं को केंद्र सरकार के द्वारा सीआरपीएफ का विशेष सुरक्षा दी गयी है क्या उसको भी हटाने के लिए राज्य सराकर अनुशंसा करेगा? यदि सुरक्षा को लेकर कोई निर्णय लिया जा रहा है तो उसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए। सुरक्षा हटाने के पहले क्या सरकार ने इंटेलिजेंस इन्पुट लिया है कि जिनको अब तक सुरक्षा नहीं मिली है उनको अब सुरक्षा की जरूरत नहीं है? बस्तर के जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा हटाने के बाद कोई अनहोनी होती है तो क्या सरकार उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेगी? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र में मोदी के गारंटी के नाम पर सरकारी कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता और एरियर्स देने का वादा है, वर्तमान में केंद्रीय कर्मचारियों को 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है लेकिन राज्य के कर्मचारियों को अभी 58 से 60 प्रतिशत किया गया है, पहले 5 प्रतिशत का था जो अब भी 3 प्रतिशत रहेगा ही। केंद्र सरकार द्वारा 1 जनवरी 2026 से महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ाया गया था जो 10 महीना बीतने के बाद राज्य सरकार अब लागू कर रही है तो इन 10 महीनों का एरियर्स का भुगतान राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को दीवाली से पहले करे सरकार। 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता केंद्र की सरकार ने पिछले 1 जुलाई 2026 से स्वीकृत किया था, तीन महीना बाद भी आज तक प्रदेश की भाजपा सरकार ने इसका लाभ प्रदेश के कर्मचारी और पेंशनरों को नहीं दिया है। मोदी की गारंटी के नाम पर भाजपा ने प्रदेश के हर वर्ग को ठगा है, यह सरकार प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरो के डीए और एरियर्स में सीधे तौर पर डकैती डाल रही है।



फसल की क्षतिपूर्ति राशि तत्काल जारी की जाए

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अर्नब तूफान के कारण किसानों की फसल की जो क्षति पूर्ति हुई है, उसका आंकलन तत्काल शुरू किया जाना चाहिए तथा आंकलन कर वास्तविक नुकसान की क्षतिपूर्ति राशि सरकार जारी करें। फसल बीमा कंपनियों को सरकार की तरफ से चेतावनी जारी की जाए कि किसानों के नुकसान की बीमा राशि देने में कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। किसानों के वास्तविक नुकसान का आंकलन कर बीमा राशि जारी की जाये।

त्योहारी सीजन पर यात्रियों को मिलेगी राहत, 7 पैसेंजर ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच

रायपुर। दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के रायपुर रेल मंडल ने विशेष तैयारियां की हैं. यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन के लिए बिहार की ओर जाने वाली 3 प्रमुख ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में अस्थायी बदलाव किया गया है. वहीं 7 पैसेंजर ट्रेनों में 2-2 अतिरिक्त सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे. रेलवे के अनुसार, 4 नवंबर से 14 नवंबर 2026 तक बिहार की ओर जाने वाली तीन प्रमुख ट्रेनें रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 से रवाना होंगी. इसमें 15160 दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस, 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस और 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस शामिल है. इन ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री गुढ़ियारी साइड के प्रवेश द्वार से सीधे प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर पहुंच सकेंगे. रेल प्रशासन ने यात्रियों से निर्धारित अवधि में ट्रेन के प्रस्थान से पहले प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर पहुंचने की अपील की है. त्योहारी सीजन में यात्रियों को अधिक जगह उपलब्ध कराने के लिए 5 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक सात पैसेंजर ट्रेनों में अस्थायी रूप से दो-दो अतिरिक्त सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com